दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 04
अंकः-145
मुरादाबाद
(Sunday)
15 September 2024
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

'एक तरफ तीन खानदान, दूसरी ओर युवा, ये चुनाव J&K का भाग्य तय करेगा', डोडा में विपक्षियों पर बरसे PM

पीएम मोदी ने कहा कि जम्मू कश्मीर का इस बार का विधानसभा चुनाव तीन खानदानों और जम्मू-कश्मीर के नौजवानों के बीच में है। ये तीन खानदान...एक खानदान कांग्रेस का है, एक खानदान नेशनल कॉन्फ्रेंस का है और एक खानदान पीडीपी का है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज जम्मू-कश्मीर के डोडा में बड़ी जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान पीएम ने विपक्षी दलों पर जमकर हमला बोला। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने का काम भी भाजपा सरकार ही करेगी। लेकिन आपको ऐसे लोगों से सावधान रहना है,

जो अपने स्वार्थ के लिए आपका अधिकार छीनते रहे हैं।तीन खानदानों ने मिलकर जम्मू-कश्मीर को बर्बाद किया।- पीएम मोदी- पीएम मोदी ने कहा, जम्मू कश्मीर का इस बार का विधानसभा चुनाव तीन खानदानों और जम्मू-कश्मीर के नौजवानों के बीच में है। ये तीन खानदान...एक खानदान कांग्रेस का है, एक खानदान नेशनल कॉन्फ्रेंस का है और एक खानदान पीडीपी का है। इन तीन खानदानों ने मिलकर आपके साथ जो किया है वो किसी पाप से कम नहीं है। ये तीनों खानदान जम्मू-कश्मीर को सालों तक बर्बाद करने के लिए जिम्मेदार हैं। बीते सालों में जम्मू कश्मीर में विकास का नया दौर आया है।इसका श्रेय यहां के नौजवानों को ही जाता है। मैं आज जम्मू कश्मीर के युवा को चाहे वो बेटी हो या बेटा हो, उनके जोश और जज्बे को सेल्यूट करता हूं। परिवारवादी नहीं चाहते थे कि युवा राजनीति में आए- पीएम मोदी- पीएम मोदी ने कहा कि यहां पंचायत के चुनाव 2000 के बाद नहीं हुए थे, यहां बीडीसी के चुनाव कभी भी नहीं हुए थे।

दशकों तक परिवारवाद ने यहां के बच्चों और होनहार नौजवानों को आगे नहीं आने दिया। परिवारवादी नहीं चाहते थे कि युवा राजनीति में आए। 2014 में सरकार में आने के बाद मैंने जम्मू-कश्मीर में नौजवानों की नई लीडरशीप को आगे लाने का प्रयास किया है। फिर 2018 में यहां पंचायत के चुनाव कराए गए, 2019 में बीडीसी के चुनाव हुए और 2020 में पहली बार डीडीसी के चुनाव कराए गए।ये चुनाव इसलिए कराए गए ताकि जम्मू-कश्मीर में डेमोक्रेसी ग्रासरूट तक पहुंचे। पीएम मोदी ने कहा, आजादी के बाद से ही हमारा प्यारा जम्मू-कश्मीर विदेशी ताकतों के निशाने पर आ गया। इसके बाद इस खूबसूरत राज्य को परिवारवाद ने खोखला करना शुरू कर दिया। जिन राजनीतिक दलों पर आपने भरोसा किया उन्होंने आपके बच्चों की चिंता नहीं की। उन राजनीतिक दलों ने सिर्फ अपने बच्चों को आगे बढ़ाया।

जम्मू-कश्मीर के मेरे नौजवान आतंकवाद में पीसते रहे। परिवारवाद को आगे बढ़ाने वाली पार्टियां आपको गुमराह करके मौज काटती रही। इन लोगों ने जम्मू कश्मीर में नए नेतृत्व को कभी उभरने ही नहीं दिया। जम्मू-कश्मीर का भाग्य तय करने वाला चुनाव- पीएम मोदी- पीएम मोदी ने कहा, इस बार जम्मू-कश्मीर का चुनाव, जम्मू-कश्मीर का भाग्य तय करने वाला है। आजादी के बाद से ही हमारा प्यारा जम्मू-कश्मीर विदेशी ताकतों के निशाने पर आ गया। इसके बाद इस खूबसूरत राज्य को परिवारवाद ने खोखला करना शुरू कर दिया। यहां जिन राजनीतिक दलों पर आपने भरोसा किया, उन्होंने आपके बच्चों की चिंता नहीं की। उन राजनीतिक दलों ने सिर्फ और सिर्फ अपने बच्चों को आगे बढ़ाया।

जम्मू-कश्मीर के मेरे नौजवान आतंकवाद में पिसते रहे। और परिवारवाद को आगे बढ़ाने वाली पार्टियां आपको गुमराह करके मौज काटती रही। इन लोगों ने जम्मू-कश्मीर में नए नेतृत्व को कहीं भी, कभी भी उभरने ही नहीं दिया। एक सुरक्षित जम्मू-कश्मीर बनाएंगे, यह मोदी की गारंटी- जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम ने कहा कि एक सुरक्षित जम्मू कश्मीर का निर्माण करेंगे। यह चुनाव जम्मू कश्मीर का भाग्य तय करेगा। पीएम ने कहा कि मैं आपके इस प्यार और आशीर्वाद का बदला आपके और देश के लिए दोगुनी और तिगुनी मेहनत से चुकाऊंगा। हम सब मिलकर एक सुरक्षित और समृद्ध जम्मू-कश्मीर बनाएंगे और यह मोदी की गारंटी है।

संक्षिप्त समाचार

केंद्रीय मंत्री गिरिराज बोले : महाकुंभ में शाही और पेशवाई शब्द का न हो इस्तेमाल, संतों की मांग जायज

गिरिराज सिंह ने कहा कि साधु-संतों से अपील करूंगा कि अब मठ मंदिर छोड़ें और गांव-गांव जाकर लोगों में अलख जगाएं। अगर साधु-संत मठ मंदिर से नहीं निकलेंगे तो राहुल गांधी और अखिलेश यादव जैसे नेता सनातन धर्म को बचने नहीं देंगे। अखिलेश यादव आज से हिंदुओं को गाली नहीं दे रहे हैं।केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने अखाड़ा परिषद और साधु संतों की मांग को जायज बताया है। उन्होंने कहा कि महाकुंभ में शाही और पेशवाई शब्द का प्रयोग नहीं होना चाहिए। संतों ने जो शाही और पेशवाई शब्द हटाने की मांग की है, यह 200 फीसदी सही है। गिरिराज ने यह बातें शुक्रवार शाम सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में कही।उन्होंने कहा कि अगर कोई आपके घर पर कब्जा कर ले और जब आप शक्तिशाली होकर फिर से पर कब्जा प्राप्त करें तो उसके चिह्नों को मिटाएंगे या नहीं। मुगल और अंग्रेज आक्रांता थे। दोनों ने ही हमें लूटा,न केवल लूटा बल्कि लूट कर औरंगजेब रोड और बाबर रोड नाम भी रख दिया।केंद्रीय मंत्री ने कहा है कि आजादी के बाद देश के पहले प्रधानमंत्री नेहरू को गुलामी के सभी ऐसे पद चिह्नों को मिटा देना चाहिए था, लेकिन उन्होंने जानबूझकर ऐसा नहीं किया, ताकि तुष्टिकरण की राजनीति करते रहें। गांव-गांव में जाकर अलख जगाएं साधु संत- गिरिराज सिंह ने कहा कि साधु-संतों से अपील करूंगा कि अब मठ मंदिर छोड़ें और गांव-गांव जाकर लोगों में अलख जगाएं।

'मैं आपकी दीदी बनकर आई हूं, सीएम नहीं', डॉक्टरों के धरनास्थल पर पहुंचीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी

पश्चिम बंगाल में कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज-अस्पताल में एक प्रशिक्षु महिला डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या के मामले में प्रदर्शन कर रहे जूनियर डॉक्टरों और राज्य सरकार के बीच गतिरोध जारी है। इस बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी प्रदर्शन कर रहे डॉक्टरों से मिलने स्वास्थ्य भवन पहुंचीं। इस दौरान डॉक्टरों ने हमें न्याय चाहिए के नारे लगाए। ममता बनर्जी ने कहा कि वह यहां दीदी के तौर पर डॉक्टरों से मिलने आई हैं। बता दें कि गुरुवार को डॉक्टरों का एक दल बैठक के लिए नबन्ना पहुंचा था, लेकिन यह बैठक नहीं हो पाई थी। ममता बनर्जी ने बताया कि उन्होंने जूनियर डॉक्टरों से मिलने के लिए दो घंटे तक इंतजार किया, लेकिन वे बैठक स्थल पर नहीं आए। इसके बाद कहा कि वह पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के लिए तैयार हैं। ममता बनर्जी ने प्रदर्शन कर रहे डॉक्टरों को आश्वासन दिया कि वह उनकी मांगों पर गौर करेंगी और कोई दोषी पाया गया तो उसके खिलाफ कार्रवाई होगी। उन्होंने आगे कहा, मैं यहां आपसे मुख्यमंत्री नहीं बल्कि दीदी के तौर पर मिलने आई हूं। मैं खुद छात्र आंदोलन करके आगे आई हूं, मैंने अपने जीवन में भी बहुत संघर्ष किया है, मैं आपके संघर्ष को समझती हूं। मुझे मेरे पद की चिंता नहीं है। कल रात भर बारिश हुई आप यहां विरोध पर बैठे थे मैं रात भर परेशान रही। सीएम ममता बनर्जी ने कहा, आपकी मांगों को आपसे सुनने के बाद मैं उसका अध्ययन करूंगी। मैं अकेले सरकार नहीं चलाती, मैं आपकी मांगों का वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अध्ययन कर समाधान ज़रूर निकालूंगी। जो भी दोषी पाया जाएगा उसे सज़ा ज़रूर मिलेगी। मैं आपसे थोड़ा समय मांग रही हूं। आपके(विरोध कर रहे डॉक्टरों के) खिलाफ राज्य सरकार कोई एक्शन नहीं लेगी। मैं आपसे अनुरोध करती हूं कि आप काम पर वापस लौंटे। अस्पताल के विकास, इंफ्रास्ट्रक्चर, सुरक्षा से जुड़े सभी काम शुरू कर दिए गए हैं और आगे भी किए जाएंगे। जब सीपीआईएम सत्ता में थी तब मैं 26 दिनों के लिए भूख हड़ताल पर थी। यह मेरा आखिरी प्रयास है और मैं आपसे वादा करती हूं कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होगा। ममता बनर्जी के संबोधन के बाद डॉक्टरों ने कहा कि वे अधिकारियों के साथ चर्चा करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, हम अपनी पांच मांगों को लेकर सरकार से किसी भी चर्चा के लिए तैयार हैं। यह कोई अनुचित मांग नहीं है। क्या है पूरा मामला?- कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज-अस्पताल में जूनियर डॉक्टर के साथ दरिंदगी की घटना नौ अगस्त की है। मृतक मेडिकल कॉलेज में चेस्ट मेडिसिन विभाग की स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष की छात्रा और प्रशिक्षु डॉक्टर थीं। आठ अगस्त को अपनी ड्यूटी पूरी करने के बाद रात के 12 बजे उसने अपने दोस्तों के साथ डिनर किया। इसके बाद से महिला डॉक्टर का कोई पता नहीं चला। घटना के दूसरे दिन सुबह उस वक्त मेडिकल कॉलेज में हड़कंप मच गया जब चौथी मंजिल के सेमिनार हॉल से अर्ध नग्न अवस्था में डॉक्टर का शव बरामद हुआ। घटनास्थल से मृतक का मोबाइल फोन और लैपटॉप बरामद किया गया। पोस्टमॉर्टम की शुरुआती रिपोर्ट से पता चला है कि महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म की घटना हुई थी। जूनियर महिला डॉक्टर का शव गद्दे पर पड़ा हुआ था और गद्दे पर खून के धब्बे मिले। शुरुआती पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बताया गया है कि मृतक महिला डॉक्टर के मुंह और दोनों आंखों पर था। गुप्तांगों पर खून के निशान और चेहरे पर नाखून के निशान पाए गए। होठ, गर्दन, पेट, बाएं टखने और दाहिने हाथ की उंगली पर चोट के निशान थे।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने दिया जवाब, क्यों मिले थे मंगेश यादव के परिवार से?

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि मंगेश यादव के परिवार ने पुलिस से डर से अपना बयान बदला। मैंने सच्चाई जानने के लिए मंगेश के परिवार से मुलाकात की थी। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि यूपी पुलिस फर्जी एनकाउंटर कर रही है। मंगेश यादव को घर से उठाकर मारा गया था। मैं सच्चाई जानने के लिए उनके परिवार से मिला था। उन्होंने आरोप लगाया कि यूपी पुलिस साजिश करने और एनकाउंटर करने का काम कर रही है। पुलिस को दिए गए मंगेश के परिवार के बयान पर उन्होंने कहा कि पुलिस के डर से कोई भी कुछ भी बयान दे सकता है। अखिलेश यादव शनिवार को मीडिया को संबोधित कर रहे थे। सपा मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने हिंदी दिवस के अवसर पर साहित्यकारों, कवियों और पत्रकारों को सम्मानित किया।संतों के विवादित बयानों को लेकर दिया जवाब... अखिलेश यादव से जब पूछा गया कि अयोध्या में संतों ने उनके बयान पर नाराजगी जताई है।

अखिलेश यादव ने कल आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में बयान दिया था कि मठाधीश और माफिया एक ही जैसे होते हैं। इस उन्होंने कहा कि जब किसी नेता ने नारा दिया था कि ...इनको मारो जूते चार तो इन लोगों ने क्यों नाराजगी नहीं जताई थी।अखिलेश यादव ने कहा कि सपा-बसपा का गठबंधन देश की राजनीति को बदलने वाला था लेकिन हमें धोखा मिला। ये बात बहुत छोटी है कि किसने किसका फोन नहीं उठाया। जिस समय मुझे गठबंधन टूटने की सूचना मिली उस समय बसपा के एक नेता मेरे साथ मंच पर बैठे थे। मैंने उनसे पूछा कि गठबंधन क्यों तोड़ा? तो उन्होंने कहा कि हमें और आपको दोनों को धोखा मिला है।जम्मू-कश्मीर में सपा के चुनाव लड़ने पर दिया बयान- अखिलेश यादव ने कहा कि कश्मीर में 370 हटने के बाद पहली बार चुनाव हो रहे हैं। समाजवादी पार्टी वहां चुनाव लड़ रही है। राष्ट्रीय स्तर की पार्टी बनने के लिए छोटे राज्यों में अच्छे मौके मिलते हैं। वहीं, अयोध्या में भाजपा नेताओं पर लगाए गए जमीन कब्जे के आरोपों पर उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में ऐसा हो रहा है। इनके नेता केवल जमीन ही नहीं तालाब तक पर कब्जा कर ले रहे हैं।

400 मीटर दौड़ में सोने सी चमकीं अलीगढ़ की नीरू, 200 मीटर में भी पदक की संभावना

उत्तर प्रदेश टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए नीरू ने 400 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीतकर एक बार फिर जिले और उत्तर प्रदेश का नाम रोशन किया है। अब वह 200 मीटर दौड़ में हिस्सा लेंगी।उत्तर प्रदेश टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए नीरू ने 400 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीतकर एक बार फिर जिले और उत्तर प्रदेश का नाम रोशन किया है। अब वह 200 मीटर दौड़ चल रही चतुर्थ एशियन एथलेटिक्स अलीगढ़ जिले की नीरू दौड़ में स्वर्ण पदक जीतने की है।जिले की सनसनी लगातार उत्कृष्ट होता जा का प्रतिनिधित्व करते हुए में स्वर्ण पदक जीतकर और उत्तर प्रदेश का नाम रोशन किया है। अब वह 200 मीटर दौड़ में हिस्सा लेंगी। यूपी एथलेटिक्स संघ के उपाध्यक्ष और एएमयू शिक्षक शमशाद निसार ने बताया कि 200 मीटर दौड़ में भी नीरू पदक जीतेंगी। वह अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। नीरू के पिता राजवीर शर्मा व माता मिथलेश देवी ने बेटी की जीत पर खुशी जाहिर की है। पिछले महीने पेरू के लीमा शहर में अंतरराष्ट्रीय यूथ एथलेटिक्स चैंपियनशिप की रिले रेस में वह पांचवें स्थान पर थीं। इससे पहले एथलेटिक्स चैंपियनशिप बिलासपुर, छत्तीसगढ़ में नीरू ने स्वर्ण पदक जीता था।

नाम रोशन किया है। में हिस्सा लेंगी।चेन्नई में एथलेटिक्स जूनियर चैंपियनशिप में पाठक ने 400 मीटर में कामयाबी हासिल धाविका का प्रदर्शन रहा है। उत्तर प्रदेश टीम नीरू ने 400 मीटर दौड़ एक बार फिर जिले

संपादकीय Editorial

Why did these barricades break?

People who are submerged in Pong, Govind Sagar and Kol Dam have started expressing their feelings and anger in front of a mosque. Now the matter has gone beyond encroachment and religion of law and where an unwanted Kurukshetra has pierced the chest of Sanjauli. Who liked this scene and who got scared. Is the injury of the police personnel for peace a proof that the trees of mutual animosity are becoming green or is it the fault of the barricade which broke due to the storm of public anger and the traveler who got trapped between the bricks and stones got defeated and got stuck for a moment. We sowed some seeds on this pretext. Tomorrow they will grow and in this way the seeds of hatred will spread on this land which was never red before. There can be many reasons for the issue, there can be many clouds of doubts, but how did we reach this stage, this has to be seen. The heirs of these illegal destinations are also those who are gnawing away at the system while living in it. All these walls were not built during the current government and neither were all the people opposing it religious organisations, but we cannot do justice to such issues by stepping on the cracks. The mosque file has been complaining about many previous governments, but now Wednesday's events have shown when and at what level the barricades can break. The mosque, which stands between the opposition, the system, the law and the society, can neither become a symbol of religion and become the cause of a fight, nor should it be a religious battlefield. In fact, the illegal, unwanted and unnecessary expansion of the mosque has been throwing dust in the eyes, but the red eyes of religion are beyond our traditions. There is a group as well as a community in opposition. The group is looking at who is cheating and who is deceiving and the community is looking at what the community can do or has done. In both these situations, the role of the government becomes important. Obviously, politics has its own standards and these are agitating Himachal again and again. Although the Shanta Kumar government of Himachal Pradesh had to sacrifice its life in the demolition of Babri Masjid, the Hindu majority community here did not allow the return of this government on the basis of religion. However, the political scenario is not the same as before and neither is the national inspiration. The atmosphere that is being created by the spark of majoritarianism in the country is reducing the scope of dialogue between communities and its echo has spread in every sphere of social media. In this context, the flood of Sanjauli is not just a one-day event, but is calling for events to come. Some thorns of religious identity are bothering the eyes, while the equations of new issues are also being seen in the business activities of the state. If the mosque is going beyond being a place of worship and is proving some power or the iron rods being installed on every floor are being sponsored, then one arrow is enough to ignite the worries of the environment. The crowd of Sanjauli is making a challenging complaint to the government with expertise and resolve and therefore the closure of the market on the second day of the protest has shown that the matter is being looked into directly. In such a situation, the state government will have to extend the law to get out of this chaos, but the limits of language decorum and democratic decorum will have to be strengthened.

Society: Violence is not our culture, no one approves of taking law into one's own hands

If someone is involved in criminal activity, information about him can be given to the police, but no one has the right to kill him. On Teacher's Day, when some students came to congratulate me, the picture of Aryan Mishra, a 20-year-old student of 12th standard flashed in front of my eyes. He was murdered on 23 August, mistaking him to be a cow smuggler. SP Anil Yadav's team arrested Krishna, Adesh, Saurav and Anil in the murder case. The question arose, where did the team of cow vigilantes get the right to kill him. Where is this intolerance, cruelty and anarchy coming from? It is causing fear and unrest in so many forms and areas. The news of such cruel and inhuman incidents being published in newspapers every day cannot be ignored. The criminals said that 'we did not know that Aryan Mishra was not a cow smuggler.' The question is that even if Aryan Mishra was stealing a cow and taking it away, did anyone have the right to kill him? If something illegal or uncultural was seen happening, they could have taken the help of the police. Even the police do not have the right to punish. The police can file a case and present the person in the court, but they also do not have the right to kill. Gender, caste or communal violence is nothing new. In the era of social media, information about these things spreads rapidly. These days, the incident of rape and murder of a trainee doctor in West Bengal is at the peak of discussion. The spread of violent immoral tendencies is worrying for the spirit of peace, progress, harmony and social harmony. It is sad that there is no end to such incidents. A 24-year-old BBA student from Kanpur used to do modeling. According to the police, she became friends with a young man named Vipin on Instagram. On September 3, he, along with another youth named Vinay, gang-raped a model in a hotel on the pretext of getting her a role in a Bhojpuri film. On September 2, a case of gang-raping an eighth-grade student and forcing her to read namaz came to light in Baghpat. Accused Rizwan was produced in court and sent to jail. On August 31, a Dalit teenager was brutally beaten up in Shahdol, Madhya Pradesh. The video was uploaded on social media and made public, which shows that the criminals do not care about the law. As a result, five people are in the clutches of the law under the SC/ST Act. These incidents are coming to light due to social media and public awareness. Most of these incidents are of harassment of Dalits and their women, which the criminals themselves have shown by uploading videos on the Internet. There are many such cases, whose reports are not registered in police stations and courts or whose news is not published. On September 2, a news came that a person from Masauli police station area complained to the SP that on August 22, a youth from the same village dragged his niece into a car and kidnapped her. She was held hostage and taken to Lucknow, Kanpur and Ghaziabad and raped. Instead of taking any action, the policemen made her sit in the police station for ten hours. On September 3, in Bahraich district, a father, angry with the love affair of a rural girl, cut her body into six pieces. He sat outside the house for an hour holding his daughter's head in his hands. In a news of July 16, two youths were injured in stone pelting after a fight between two groups during the horse riding ceremony of Amrit Kumar, a youth of Scheduled Caste, in Madhkarimpur village of Khatauli (Muzaffarnagar). The police registered a case against eight named and eight unknown people of the Rajput community. On May 20, an elderly couple was tied to a pole in Ashok Nagar district of Madhya Pradesh and beaten and made to wear a garland of shoes. Such incidents keep happening every day in many parts of the country including Madhya Pradesh, Uttar Pradesh, Bihar. Violence damages a person's dignity and self-respect. The tendency of violence and intolerance is found more in villages than in cities. Why are cases like rape and murder objectionable only when they are related to some special people? This has been happening to ordinary people for centuries, then why is there no anger? Why such inhuman intolerance? Violence cannot be our culture.

Half the population: Why is everyone silent on the condition of Afghan women? Everyone is concerned about their own interests

China and Arab countries are silent on the plight of women under the harsh Taliban regime because they are only looking after their own interests. America is struggling with its moral and strategic responsibilities. India alone is raising the issue of the interests of Afghan women on global forums. But this is not enough. The Taliban regime is on the verge of collapse, yet it is engaged in erasing the identity of women in society, which is the main reason for its isolation from the international community. Human rights organization Amnesty International has labeled it as 'slow death: the plight of women and girls' with little scope for improvement. People are suffering because the Taliban government is not getting international recognition and financial help. This situation may remain the same in future as well, because there are already such strict restrictions that women have to cover their entire body including their face, they cannot even raise their voice outside the house. Due to these government restrictions, women cannot sing songs in public and cannot read Quran. Also, they are prohibited from wearing thin, tight and short clothes. Not only this, the law has also banned women from speaking loudly even in their homes. There is a fear that their voice may go out of the four walls. Due to government orders, child marriage and forced marriage have increased. At the same time, women who tried to raise their voice against these atrocities were tortured. The world will have to speak out against this. Even if there is a strong reaction later, no result will come out. On the other hand, China's focus is on stopping extremist activities in its Xinjiang region. China wants to maintain relations with the Taliban by turning a blind eye to the atrocities on women for its geopolitical and economic interests. China's approach towards the Taliban shows that no country in the world should intervene or criticize the human rights violations happening there. By joining the Taliban regime, China wants to stabilize its western borders and gain dominance in a geopolitically important region, especially when the US and its allies are retreating from Afghanistan. Apart from this, China also has its eyes on exploiting the mineral resources of Afghanistan. There is a lot of resentment at the international level regarding the Taliban's attitude towards women. While China's focus is on securing its strategic interests, it is ignoring the atrocities on women in Afghanistan. Beijing gives more importance to economic and security concerns than human rights issues. China wants to secure its investment in this region by expanding its Belt and Road Initiative (BRI) project through Afghanistan. India can play an important role in protecting women in Afghanistan on diplomatic and humanitarian grounds. India should support the United Nations' gender equality initiative by advocating the inclusion of women in peace talks. Providing financial aid and scholarships to Afghan women to study in India can help create strong women leadership in the future. India can also provide health, education and legal aid to Afghan women in collaboration with international organisations. In the past, India has helped Afghan women through various programmes such as building schools and hospitals and vocational training. Despite the challenges posed by the resurgence of the Taliban, India's continued advocacy for women's rights at international forums underlines India's commitment to them. However, the current situation demands greater international efforts to protect the rights of Afghan women. The world community, including the United Nations and human rights organisations, have condemned the Taliban's behaviour towards women, but these efforts are inadequate. The United Nations has struggled to maintain its presence in Afghanistan. The UN's influence has diminished considerably due to the Taliban's hostility. Humanitarian aid is certainly necessary, but it is not a long-term solution and due to Taliban restrictions, help does not reach those in dire need. Beyond rhetoric, there is a need to build organised global pressure. The international legal framework should be leveraged to hold the Taliban accountable for human rights violations. The international community should find safe routes for women who want to leave Afghanistan and provide refuge to those in crisis. In 2001, the US led the international community to oust the Taliban from power and free Afghan women from oppression. But in 2021, the US withdrew its troops without ensuring stability and an inclusive government, handing over women to the same forces from which it had promised protection. Therefore, the US will have to come forward again to raise its voice against the atrocities being committed on women by the Taliban. The US can put pressure on the Taliban by organizing the international community with economic aid, diplomatic initiatives. The US should keep the interests of Afghan women at the center of its foreign policy. The Mavis Lino couple, who advocate for the rights of Afghan women, say that the Taliban have taken away almost all human rights of Afghan women, except for life. The Taliban's rule in Afghanistan As soon as they returned, the bad times for the women started and the world community, especially America, finds itself at a crossroads, where it is struggling with its moral and strategic responsibilities. Arab countries have also given silent approval to the barbarism of the Taliban by placing their political and economic interests above human rights. Now the world community should come forward with the feeling that the fight for the rights of Afghan women is a struggle for the rights of women all over the world. The entire world community will have to fight for Afghan women without leaving them alone. This stake is very high, because keeping silent now will have serious consequences.

प्रेमी की शादी की सूचना पर थाने पहुंची प्रेमिका, छह घंटे चली पंचायत

♦ प्रेमिका ने कहा कि जब तक मेरी शादी नहीं हो जाती, इसकी शादी नहीं होने दूंगी...पुलिस ने कार्रवाई का आश्वासन देकर परिजनों के साथ घर भेजा

पाकबड़ा (मुरादाबाद)- प्रेमिका अपने प्रेमी की शादी तय होने की सूचना पर थाने पहुंच गई और हंगामा किया। कहा कि जब तक मेरी शादी नहीं हो जाती तब तक प्रेमी की शादी किसी भी हाल में नहीं होने दूंगी। कहा कि मैं तीन साल से उससे प्रेम करती हूं। किसी भी हाल में एक साल से पहले इसकी शादी नहीं होने दूंगी। इसको लेकर थाने में छह घंटे पंचायत हुई। पुलिस एवं परिजनों के काफी समझाने के बाद भी युवती नहीं मानी। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई का आश्वासन देते हुए उसे परिजनों के साथ घर भेज दिया। थाना क्षेत्र के गांव निवासी युवती का गांव के लड़के से प्रेम प्रसंग चल रहा था। इसके तीन साल बाद जैसे ही प्रेमी की शादी तय होने की सूचना प्रेमिका को मिली वह आगबबूला हो गई और सीधे थाने पहुंच गई। प्रेमी की शादी रुकवाने के लिए उसने थाने में हंगामा किया। सूचना मिलने पर दोनों के परिजन भी थाने पहुंच गये। प्रेमिका ने कहा कि मैं इससे 3 साल से प्रेम करती हूं। शादी इसी से करूंगी। घंटों तक चली पंचायत के बाद प्रेमिका के परिजन इस बात पर सहमत हो गये कि हम लड़की की शादी कहीं और कर देंगे और तुम अपने लड़के की शादी कहीं और कर लो। लेकिन प्रेमिका ने किसी की भी एक नहीं मानी। कहा कि लड़के की शादी नहीं होने दूंगी। जब एक साल में मेरी शादी हो जाएगी उसके बाद ही इसकी शादी होगी। परिजनों के मुताबिक अक्टूबर में प्रेमी की शादी होनी है। जिसमें एक माह से भी कम का समय बचा है। इसी बात को लेकर प्रेमिका अड़ी रही कि जब तक मेरी शादी नहीं हो जाती, मैं इसकी शादी किसी भी हाल में नहीं होने दूंगी। परिजनों ने बहुत मनाने की कोशिश की लेकिन उसने अपने परिजनों की एक नहीं मानी। कहा कि जब मैं 3 साल से इससे प्रेम करती हूं तो इसने शादी तय क्यों की। लेकर थाने में घंटों तक पंचायत चली। प्रेमी के परिजन बार-बार उसे समझा रहे थे और पकड़कर घर ले जा रहे थे लेकिन उसने एक नहीं मानी। कहा कि मैं किसी की भी नहीं मानूंगी। हालांकि, पुलिस ने कार्रवाई का आश्वासन देते हुए लड़की को घर भेज दिया है।

सरकार करे कार्रवाई: केजीके कॉलेज में महिला प्रोफेसर पर अभद्र टिप्पणी, एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

मुरादाबाद - केजीके कॉलेज में महिला से अभद्र टिप्पणी मामले में कार्रवाई को लेकर एवीबीपी के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि जब कॉलेज में महिला शिक्षिका ही सुरक्षित नहीं तो तो छात्राओं का क्या होगा। उन्होंने ज्ञापन भी सौंपा।केजीके कॉलेज के मुख्य नियंता के खिलाफ शुक्रवार को एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने तेज बारिश में भीगते हुए कॉलेज में प्रदर्शन किया। प्राचार्य कक्ष में शिक्षकों से भी नोकझोंक हुई। इसके बाद मुख्य नियंता को पद से हटाने की मांग करते हुए प्रभारी प्राचार्य प्रो. मीरा कश्यप को ज्ञापन सौंपा।शुक्रवार को एबीवीपी के कार्यकर्ताओं का मुख्य नियंता के खिलाफ गुस्सा फूट पड़ा। महानगर मंत्री गौरव क्षत्रिय ने कहा है कि महाविद्यालय में बड़ी संख्या में छात्राएं अध्ययनरत हैं। महाविद्यालय में जब महिला प्रोफेसर की ही सुरक्षा नहीं है तो छात्राओं पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा।छात्राओं में असुरक्षा का भाव आएगा और उनके अंदर भय का माहौल उत्पन्न होगा। ऐसे में मुख्य नियंता पर तत्काल कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए और उन्हें पद से बर्खास्त किया जाए। विद्यार्थी परिषद ने कॉलेज प्रशासन को मुख्य नियंता पर कार्रवाई करने के लिए तीन दिन का समय दिया। पदाधिकारियों ने कहा कि यदि मुख्य नियंता के खिलाफ उचित कार्रवाई नहीं हुई तो संगठन उग्र प्रदर्शन के लिए बाध्य होगा। इस दौरान महानगर सहमंत्री श्रुति सिंह, छविनाथ अरोड़ा, साहिल कठेरिया, अनमोल शर्मा, गौरव गिरधर आदि मौजूद रहे। ये है मामला- तीन दिन पहले कॉलेज के मुख्य नियंता ने वरिष्ठ शिक्षिका पर अभद्र टिप्पणी की थी। इसके बाद से ही शिक्षकों में जबरदस्त रोष है। पीड़ित शिक्षिका और शिक्षक संघ के पदाधिकारी मुख्य नियंता को पद से हटाने की मांग कर रहे हैं। शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने इस संबंध में प्राचार्य को ज्ञापन भी दिया था। पांच सदस्यीय समिति का गठन- केजीके कॉलेज में मुख्य नियंता द्वारा शिक्षिका पर की गई अभद्र टिप्पणी के मामले में प्राचार्य प्रो. सुनील चौधरी ने कहा कि जांच के लिए कॉलेज में पांच सदस्यीय समिति का गठन किया गया है। प्रो. मीरा कश्यप समिति की संयोजिका हैं। इसके अलावा प्रो. मीनू विश्नोई, प्रो. विनीता, प्रो. योगेंबर सिंह, प्रो. शिवपूजन यादव को समिति में शामिल किया गया है। समिति को एक सप्ताह में मामले की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करनी है। इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

20 दिन तक मेवा नवादा रेलवे स्टेशन पर नहीं रुकेंगी दो पैसेंजर ट्रेन, जानिए वजह थ घर भेजा

मुरादाबाद - रेलवे प्रशासन द्वारा मंडल में कांठ-स्योहारा के बीच पड़ने वाले मेवा नवादा स्टेशन पर रेल संचालन सुधारने का काम शुरू कराया गया है। जिसमें डाउन लाइन की मरम्मत व विकास का काम शुरू किया गया है।सहारनपुर की ओर से आने वाली ट्रेन संख्या-04302 सहारनपुर-मुरादाबाद मेमू व ट्रेन संख्या- 0430 ऋषिकेश-चंदौसी पैसेंजर पर मेवा नवादा में ठहराव पर रोक लगाई गई है। दोनों ट्रेनें अगले 20 दिनों के लिए मेवा नवादा स्टेशन पर नहीं रुकेंगी। सीनियर डीसीएम आदित्य गुप्ता ने बताया कि मुरादाबाद-सहारनपुर रूट पर मेवा नवादा स्टेशन पर बेहतर रेल संचालन के लिए रिमाडलिंग वर्क का काम प्रस्तावित है। जिसके लिए डाउन पर लूप लाइन के लिए विकास व मरम्मत का काम आज से शुरू हो गया। लूप लाइन सुधार का काम 20 दिनों तक चलेगा। इस काम के चलते मंडल की दो ट्रेनों का स्टेशन पर ठहराव रोका गया है। इन ट्रेनों में सहारनपुर-मुरादाबाद व ऋषिकेश-चंदौसी पैसेंजर ट्रेन शामिल है।

युवतियों पर धर्मांतरण का दबाव बनाने वाला दंपती गिरफ्तार, पति ने छेड़खानी की वीडियो भी बनाई

मुरादाबाद -सिलाई प्रशिक्षण केंद्र में युवतियों से छेड़खानी और वीडियो बनाने के आरोपी दंपती को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दंपती पर धर्मांतरण के लिए दबाव बनाने का भी आरोप है। आरोपी दंपती को कोर्ट के आदेश पर जेल भेज दिया है। सिलाई प्रशिक्षण केंद्र में युवतियों पर धर्मांतरण के लिए दबाव बनाने वाले पति-पत्नी को मूंढापांडे थाने की पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। शुक्रवार दोपहर बाद दोनों को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। प्रशिक्षण केंद्र संचालिका के पति पर युवतियों से छेड़खानी करने का भी आरोप है।मूंढापांडे थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी युवती ने थाने में दर्ज रिपोर्ट में बताया कि रौंडा निवासी हिना अपने घर में सिलाई-कढ़ाई का प्रशिक्षण केंद्र चलाती है। युवती और उसकी दो सहेलियां सिलाई सीखने जाती थीं। 14 जून की सुबह करीब 10 बजे हिना ने उन्हें सेंटर में बंद कर दिया और बाहर चली गई थी।इस दौरान आरोपी मुस्तफा ने उनके साथ छेड़खानी की और वीडियो बना लिया। 16 जून की दोपहर करीब 12 बजे हिना ने पीड़िताओं को पकौड़ी लाकर दी और और खाने के लिए दबाव बनाया। मना करने पर वीडियो वायरल करने की धमकी दी। इस दौरान मुस्लिम धर्म अपनाने का भी दबाव बनाया था। एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि शुक्रवार को आरोपी दंपती को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। युवती के फोन पर भेजे अश्लील मैसेज, केस दर्ज- मझोला थाना क्षेत्र में रहने वाली एक युवती के फोन पर एक युवक और एक युवती ने अश्लील मैसेज भेज दिए। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। पीड़ित युवती ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि शमीम नाम का युवक और उसकी साथी युवती अपने-अपने मोबाइल नंबर से उसे मैसेज भेज रहे हैं। युवती इससे बहुत परेशान है। पीड़िता ने इसका विरोध किया तो आरोपी उसे जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। सीओ सिविल लाइंस अर्पित कपूर ने बताया कि केस दर्ज कर लिया गया है। साइबर सेल की मदद से आरोपियों की तलाश की जा रही है।

इसलिए मेहनाज ने सद्दाम संग किया आशिक का कत्ल... इस कारण धड़ से अलग कर थैली में रखा था सिर; ये थी प्लानिंग

मुरादाबाद -मुरादाबाद से सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक युवती ने अपने भाई और उसके दोस्त के साथ मिलकर अपने प्रेमी की हत्या कर दी। प्रेमी का धड़ खेत में मिला, जबकि उसका सिर काटकर दो किलोमीटर दूर फेंक दिया। पुलिस जांच में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। दरअसल, मोहल्ले में बदनामी होने के बाद मेहनाज और उसके भाई सद्दाम ने सोनू की हत्या की साजिश रची थी। भाई-बहन इतने गुस्से में थे कि वो किसी भी कीमत पर सोनू को मारना चाहते थे। उन्होंने दो दिन तक हत्या की प्लानिंग की। तीसरे दिन मेहनाज ने सोनू को कॉल कर जंगल में बुलाने का प्रयास किया, लेकिन वे सफल नहीं हुए। चौथे दिन जब मेहनाज के बुलाने पर सोनू मिलने के लिए सैफनी क्षेत्र में गन्ने के खेत में पहुंचा तो वहां पहले से मौजूद सद्दाम के दोस्त रिजवान ने सोनू को पकड़ लिया। मेहनाज ने पैर दबा लिए और सद्दाम ने सोनू की गला काटकर हत्या कर दी। सिर को धड़ से अलग कर दो किमी. दूर ले जाकर डंपिंग ग्राउंड में फेंक दिया था। बिलारी के सहसपुर निवासी सोनू की ननिहाल रामपुर के सैफनी के मोहल्ला मझरा में है। सोनू के ननिहाल के पड़ोस में रहने वाली मेहनाज बिलारी के थांवला स्थित कॉलेज से आईटीआई कर रही थी। करीब छह माह पहले सोनू और मेहनाज की जान पहचान कॉलेज से घर लौटते समय हो गई थी। तब दोनों ने एक-दूसरे के मोबाइल नंबर ले लिए थे।दोनों के बीच बातचीत बढ़ी तो सोनू ने अपनी ननिहाल में ज्यादा आना-जाना शुरू कर दिया था। एक दिन सोनू ने मेहराज को अपने पास बैठाकर फोटो खींच लिए थे। इन फोटो को वायरल करने की धमकी देकर उसने मेहनाज को ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया था। सोनू ने मेहनाज पर बाहर घूमने जाने का दबाव बनाया, लेकिन उसने मना कर दिया।तब सोनू ने अपनी ननिहाल लाकर अपने रिश्तेदारों को फोटो दिखाए और कहा कि वह मेहनाज से शादी करना चाहता है। यह बात सैफनी में फैली तो मेहनाज के भाई सद्दाम तक पहुंच गई। घटना से चार दिन पहले सद्दाम ने अपनी बहन से पूछताछ की तो वह रोने लगी। इसके बाद उसने आपबीती सुनाई। सद्दाम और मेहनाज ने सोनू को सबक सिखाने और उसकी हत्या करने की साजिश रची। दो दिन तक पूरा प्लान तैयार किया। जिसमें सद्दाम ने अपने दोस्त रिजवान को भी शामिल कर लिया। तीसरे दिन मेहनाज ने सोनू को कॉल कर उसे बरूआ पुल के पास जंगल में आकर मिलने के लिए बुलाया, लेकिन उस दिन सोनू नहीं आया। इसके बाद युवती, उसका भाई और भाई का दोस्त घर लौट गए थे। नौ सितंबर को फिर से मेहनाज ने कॉल की। जैसे ही सोनू गन्ने के खेत में पहुंचा उसे तीनों ने दबोच लिया। रस्सी से उसके हाथ पैर बांध दिए और छुरी से गला रेतकर हत्या कर दी।गला रेतते हुए बोला था सद्दाम, चार दिन से घुट रहा था- पुलिस पूछताछ में सद्दाम ने बताया कि जब मेहनाज ने सोनू के पैर दबा लिए और रिजवान ने उसके हाथ पकड़ लिए थे। इस दौरान उसे पिछले चार दिन का एक-एक पल याद आने लगा। पछतावा नहीं है।कपड़े, बोतल में पेट्रोल, रस्सी, छुरी लेकर गए थे आरोपी- तीनों हत्यारोपियों ने ऐसी प्लानिंग की थी कि मौके पर कोई सबूत न छूटे। इसके लिए तीनों थैली में अपने-अपने कपड़े, बोतल में पेट्रोल, रस्सी और छुरी ले गए थे। हत्या करने के बाद सोनू का सिर थैली में रख लिया था। इसके बाद उसके कपड़े उतार दिए थे और मृतक की पहचान न हो। इसके लिए आरोपियों ने हर तरह का प्रयास किया।आरोपी का सिर दो किलोमीटर दूर डंपिंग ग्राउंड में फेंक दिया था। इसके बाद तीनों आरोपियों ने अपने-अपने कपड़े बदले और दूसरे कपड़े पहन लिए थे। खून के सने कपड़े पेट्रोल डालकर जला दिए थे। बोतल भी आग में डाल दी थी। इसके अलावा सोनू और मेहनाज का मोबाइल भी तोड़ दिया थाडीएनए के लिए सैंपल लिए गए- रामपुर में ही शव का पोस्टमार्टम किया गया था। इस दौरान डीएनए टेस्ट के लिए सैंपल भी लिए गए हैं। अगले दिन सिर मिला। उससे सैंपल लिए गए हैं। अब पुलिस दोनों सैंपल का मिलान कराने के लिए डीएनए टेस्ट कराएगी। सैंपल मुरादाबाद की विधि विज्ञान प्रयोगशाला में भेजे जा रहे हैं।सिपाही बनने की तैयारी कर रही थी मेहनाज, पहुंची जेल- अपने भाई के साथ मिलकर सोनू की हत्या कराने वाली मेहनाज सिपाही बनने की तैयारी कर रही थी। उसने पिछले दिनों सिपाही भर्ती की परीक्षा दी थी। परीक्षा के बाद मेहनाज परिणाम का इंतजार कर रही थी। साथ ही फिजिकल टेस्ट की तैयारी में लग गई थी, लेकिन इस जघन्य हत्याकांड के बाद जेल पहुंच गई।

कुंदरकी उपचुनाव के लिए कांग्रेस से 13 दावेदार, कार्यकर्ताओं से मिले पर्यवेक्षक

मुरादाबाद -कुंदरकी विधानसभा उपचुनाव के लिए कांग्रेस ने तैयारी शुरू कर दी है। कांग्रेस पर्यवेक्षकों ने स्थानीय कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर स्थितियों के बारे में जाना। इस सीट के लिए 13 नेताओं ने अपनी दावेदारी पेश की है। मुरादाबाद जिले की कुंदरकी विधानसभा उपचुनाव के लिए समक्ष पार्टी के 13 नेताओं ने प्रस्तुत किया। पर्यवेक्षकों ने की। इस बीच कार्यकर्ताओं सीट इंडी गठबंधन से कांग्रेस मांग की।सर्किट हाउस में सांसद राकेश राठौर और उपाध्यक्ष दिनेश सिंह बतौर पर्यवेक्षकों ने पार्टी के नेताओं उपचुनाव को लेकर बैठक सीट पर जीत दर्ज करने को कांग्रेस पर्यवेक्षकों के अपना अपना बायोडाटा दावेदारों से बातचीत ने पर्यवेक्षकों से कुंदरकी के लिए छोड़े जाने की शुक्रवार शाम सीतापुर से प्रदेश कांग्रेस के पर्यवेक्षक आए। दोनों के साथ कुंदरकी की। इस बीच कुंदरकी लेकर चर्चा की गई।सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि कुंदरकी सीट पर इंडी गठबंधन से कांग्रेस प्रत्याशी उतारा जाए। सांसद राकेश राठौर ने बताया कि इस मामले को हाईकमान के पास भेजा जाएगा। अभी उनका लक्ष्य भाजपा को हराना है। कांग्रेस गठबंधन धर्म का पालन करते हुए चुनाव लड़ेगी। पर्यवेक्षक दावेदारों का बायोडाटा प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को सौंपेगे। बैठक में पार्टी के उपाध्यक्ष दिनेश सिंह ने कांग्रेस नेताओं से भाजपा के छल और फरेब से सतर्क रहने का आह्वान किया। बैठक में कांग्रेस जिलाध्यक्ष असलम खुर्शीद, महानगर अध्यक्ष अनुभव मेहरोत्रा, पूर्व विधायक इकराम कुरैशी, उपाध्यक्ष व प्रवक्ता सुधीर पाठक, अनूप दुबे, संभल जिलाध्यक्ष विजय शर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष विनोद गुंबर, रिजवान कुरैशी आदि मौजूद रहे।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

श्री गणपति महाराज की आरती और पूजन में डीएम का सम्मानजनक योगदान

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविंद शुक्ला

फर्रुखाबाद/ कमालगंज। गणेश चतुर्थी के मौके पर गणपति बप्पा की आरती और पूजन समारोह में जिलाधिकारी (डीएम) वी.के. सिंह की उपस्थिति ने आयोजन को विशेष बना दिया। यह आयोजन

स्थानीय गणेश मंदिर में बड़े धूमधाम से मनाया गया। सुबह से ही मंदिर परिसर भक्तों से भरा हुआ था, जहां गणेश जी की भव्य प्रतिमा को सजाया गया था। समारोह की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चारण और गणपति बप्पा की पूजा-अर्चना से हुई। डीएम वी.के. सिंह ने गणपति बप्पा की आरती की और उनकी प्रतिमा को श्रद्धा और भक्ति के साथ पुष्प अर्पित किए। उन्होंने इस अवसर पर सभी को गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं दी और गणपति बप्पा से सुख-समृद्धि और समाज की शांति के लिए प्रार्थना की। आरती के बाद भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों, गणमान्य व्यक्तियों और श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रही। समारोह में शामिल होने वाले प्रमुख व्यक्तियों में प्रमुख रूप से चेयरमैन अनिल राजपूत, जिला पंचायत सदस्य यशवीर सिंह आर्य, चौधरी केशव यादव, और अन्य स्थानीय नेता शामिल थे। डीएम ने इस मौके पर गणेश चतुर्थी के महत्व पर भी प्रकाश डाला और लोगों से सांस्कृतिक और धार्मिक त्योहारों को सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने की अपील की। उनका यह योगदान समारोह को खास बना गया और क्षेत्रीय लोगों में खुशी का माहौल बना। समारोह के अंत में डीएम ने आयोजकों की सराहना की और सभी को गणपति बप्पा की कृपा से यथार्थ समृद्धि और सुख-शांति की कामना की।

गणेश विसर्जन के दौरान माहौल बिगाडने़ की कोशिश, पुलिस प्रशासन को नहीं लगी भनक

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविंद शुक्ला

फर्रुखाबाद। कादरीगेट थाना क्षेत्र के चौकी पांचाल घाट के अमेठी जदीद में गणेश विसर्जन के दौरान माहौल बिगाडने़ की कोशिश की गई, लेकिन पुलिस प्रशासन को इस घटना की कोई खबर नहीं लगी। दिवाकर मोहल्ला में वासु दिवाकर, नितिन दिवाकर, शेखर दिवाकर और अशोक दिवाकर समेत लगभग आधा सैकड़ा लोगों ने गणेश प्रतिमा स्थापित की थी, जिसका शुक्रवार को विसर्जन किया गया। विवाद तब शुरू हुआ जब गणेश प्रतिमा मस्जिद के पास पहुंची, उसी दौरान एक मुस्लिम युवक ने डीजे बंद कराने की कोशिश की और अभद्रता की, जिससे विवाद की स्थिति बन गई। सूचना मिलते ही हिंदू महासभा और गोरक्षा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष सचिन शर्मा मौके पर पहुंचे और माहौल को शांत करने का प्रयास किया। उन्होंने बताया कि कई मुस्लिम युवक डीजे बंद कराने की मांग कर रहे थे, लेकिन मूर्ति को किसी तरह मस्जिद से आगे ले जाया गया। हालांकि, हिंदू संगठन के लोगों के पहुंचने से बड़ा विवाद टल गया, लेकिन पुलिस प्रशासन की कमी के चलते घटना के बड़े परिणामों की संभावना बनी हुई थी। हिंदू महासभा के सचिन शर्मा और आनंद शर्मा ने आशंका जताई कि 17 सितंबर को होने वाले गणेश विसर्जन में भी इसी तरह का विवाद हो सकता है। उन्होंने सीओ सिटी और जिलाधिकारी को स्थिति की जानकारी दे दी है और किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने की बात कही है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए सम्पर्क करे- 9027776991

संक्षिप्त समाचार

विश्व ओजोन दिवस के आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा।खंडेलवाल कॉलेज में विभिन्न जन जागरूक अभियान के रूप में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया है जिसमें टैप्टोपीया, पोस्टर, पीपीटी आदि प्रतियोगितओ का आयोजन किया गया जिनमें विभिन्न प्रतियोगिताओं में छात्रों ने बढ़-चढ़कर प्रतिभा किया। प्रथम स्थान (टैप्टोपीया) रिया सक्सेना तथा पीपीटी प्रेजेंटेशन में कलीम राजा रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला वन उद्यान अधिकारी श्री जितेंद्र कुमार , प्रबन्ध निदेशक डॉ विनय खंडेलवाल, महानिदेशक डॉ अमरेश कुमार के द्वारा जलवायु परिवर्तन और तकनीकी के विषय में विस्तार से जानकारी दी गई। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ आरके सिंह, डॉ निशा दिनकर, डॉ मोनिका सक्सेना, डॉ गौरव भदोरिया, फरहा, नाजिया, अमित, आशिमा सहित तमाम स्टाफ मौजूद रहा

हिंदी दिवस पर हुयीं विभिन्न प्रतियोगिताएं

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा।नगर के पी0 एन0 दीवान पब्लिक स्कूल ,लभेड़ा में हिन्दी दिवस के मौके पर विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई।सुलेख प्रतियोगिता, निबन्ध प्रतियोगिता, में बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रधानाध्यापक उमेश कुमार ने बच्चों को बताया राष्ट्रीय हिंदी दिवस का पूरे विश्व में महत्व है।और देश में बोली भी जाती है। हिंदी भाषा हमारे देश की एकता व अखंडता की पहचान है, हमें अपनी भाषा पर गर्व होना चाहिए। प्रतियोगिता में विद्यालय के छात्र असद खान ने प्रथम, अलशिफा ने द्वितीय, अनस खान ने तृतीय स्थान प्राप्त करने पर पुरस्कृत किया गया । शिक्षक स्वॉल अहमद, पूजा, पायल , पलक, राबिया ने भी हिंदी विषय की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए छात्र छात्राओं को हिंदी के प्रति बढ़-चढ़कर आगे बढ़ने को कहा।

भारतीय जनता युवा मोर्चा बरेली महानगर ने फूंका अखिलेश यादव का पुतला

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली - भारतीय जनता युवा मोर्चा ने ब्रजक्षेत्र महामंत्री रुद्र लक्ष्मीकांत अवस्थी की मोजुदगी में सपा मुखिया अखिलेश यादव का चौकी चौराहे पर पुतला फूंका और रुद्र लक्ष्मीकांत ने कहा मठ और मंदिर का अपमान नही सहेंगे अखिलेश यादव माफ़ी मांगो और अखिलेश यादव अपने शब्द बापिस लो जिसमें भाजयुमो अध्यक्ष अमन सक्सेना, राजू उपाध्याय, मुकेश राजपूत, भाजपा किसान मोर्चा अध्यक्ष नीरज पटेल,गौरव शर्मा, रजत भसीन,नीतीश मौर्य, ऋषभ,अभय, दीपक, सौरभ एवम् अनेक कार्यकर्ता मोजूद रहे

रेल बजट में स्वीकृत दो ओरब्रिजों का फर्रुखाबाद को आठ सालों से इंतजार

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविंद शुक्ला

फर्रुखाबाद/ कायमगंज। वर्ष 2016 में रेल बजट में स्वीकृत के बाद भी अभी तक देवरामपुर और कायमगंज में ओवरब्रिज का काम नहीं शुरू हुआ है। यह ऐसे स्थान हैं जहां पर रोजाना जाम की समस्या से लोग परेशान होते हैं। 26 फरवरी 2016 को रेल बजट में तत्कालीन रेल मंत्री ने जो ओवरब्रिज स्वीकृत किए थे उनमें भोलेपुर शुकरुल्लाहपुर के साथ देवरामपुर और कायमगंज चीनी मिल क्रासिंग भी शामिल था। रेल बजट में देवरामपुर, कायमगंज के बीच ओवरब्रिज स्वीकृत किया गया था। आठ साल बाद भी इस ओवरब्रिज पर किसी तरह से काम आगे नहीं बढ़ा है। तत्कालीन रेल मंत्री की ओर से रेल बजट में किए गए इस प्रस्ताव से यहां के लोग बेहद खुश थे। मगर उन्हें इंतजार था कि देर सवेर काम शुरू होगा। मगर आठ साल बीत गये हैं। ओवर ब्रिज का निर्माण लटका है। देवरामपुर क्रासिंग पर अक्सर जाम की समस्या रहती है। कानपुर-कासगंट रूट पर रेलगाड़ियों की संख्या बढ़ने से जाम की समस्या और बढ़ गयी है। बता दें कि रेल बजट में स्वीकृत किए गए भोलेपुर और शुकरुल्लाहपुर का ओवरब्रिज तो बन गया है मगर शेष ओवरब्रिज का लोगों को बेसब्री से इंतजार है

पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना समाधान दिवस पर फरियादियों की समस्याओं का समाधान

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविंद शुक्ला

फर्रुखाबाद। थाना समाधान दिवस के अवसर पर पुलिस अधीक्षक अलोक प्रीयदर्शी द्वारा कोतवाली फतेहगढ़ में फरियादियों की समस्याओं को सुना गया। उन्होंने प्रत्येक मामले का गंभीरता से संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। समस्याओं के शीघ्र और प्रभावी समाधान हेतु पुलिस अधीक्षक महोदय ने स्पष्ट किया कि सभी मामलों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा, जिससे जनता को त्वरित न्याय मिल सके। इस अवसर पर कई नागरिक अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे, जिनकी समस्याओं को सुनकर निस्तारण के लिए ठोस कदम उठाए गए।

खाद के लदे ट्रैक्टर ट्राली से बाइक सवार महिला की कुचलकर हुई मौत

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविंद शुक्ला

फर्रुखाबाद/राजेपुर। खाद लेकर जा रहे ट्रैक्टर ट्राली से कुचलकर बाइक सवार महिला की दर्दनाक मौत हो गयी पुलिस नें शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना कादरी गेट के दीनदयाल बाग निवासी 50 वर्षीय रूपरानी वर्मा अपने पति रामदास के साथ राजेपुर खुजली की दवा लेनें गयीं थी। वहां से वह अपने पति के साथ ही बाइक (बिक्की) पर सवार होकर लौट रहीं थी उसी समय जमापुर के निकट सामने से आ रहे खाद लदे ट्रैक्टर ट्राली नें अनियंत्रित होकर बाइक सवार रूपरानी को कुचल दिया7 जिससे वह टायर के नीचे आ गयीं और उनकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गयी7 सूचना मिलने पर मौके पर पंहुचे परिजनों में कोहराम मच गया7 सड़क पर जाम लग गया। पुलिस नें शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। चालक ट्रैक्टर छेड़कर फरार हो गया प्रभारी निरीक्षक राजेपुर योगेन्द्र कुमार सोलंकी फोर्स के साथ मौके पर पंहुचे और ट्रैक्टर ट्राली को कब्जे में ले लिया7 पुलिस नें शव को ट्रैक्टर के नीचे से निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक योगेन्द्र कुमार सोलंकी नें बताया कि ट्रैक्टर को कब्जे में लिया गया है शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज किया जायेगा7

गड्ढे के पानी में नवजात बच्ची का शव मिला उतरता

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविंद शुक्ला

फर्रुखाबाद/नबावगंज। शनिवार सुबह गड्ढे में भरे पानी में नवजात बालिका का शव उतराता हुआ मिला 7 ग्रामीणों नें सूचना पुलिस को दी7 सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पंहुची और शव को कब्जे में लिया 7 ग्रामीणों की भीड़ भी मौके पर लग गयी7 पुलिस जांच में जुट गयी है7 थाना क्षेत्र के नवाबगंज बवना मार्ग पर बाबू सिंह डिग्री कॉलेज के निकट शनिवार को सुबह कस्बा निवासी विमल गुप्ता अपने खेत में खड़ी धान की फसल देखने पंहुचे। उन्होंने अपने खेत के किनारे देखा कि गड्ढे में भरे पानी में नवजात का शव उतरता देखा, उन्होंने इसकी सूचना थाना पुलिस को दी7 सूचना मिलने पर थानाध्यक्ष बलराज भाटी, कस्बा इंचार्ज गिरीश कुमार और बवना चौकी इंचार्ज योगेश श्रीवास्तव घटनास्थल पर पहुंचे और जांच पड़ताल की7 पुलिस नें शव को बाहर निकलवाया तो पता चला कि शव किसी नवजात बालिका का है, उसकी नाभि में चिमटी लगी हुई थी 7 पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थानाध्यक्ष बलराज भाटी ने बताया शव पर मिट्टी लगी हुई है । ऐसा प्रतीत हो रहा है कि नवजात के शव को दफनाया गया हो । बरसात में पानी भरने के कारण शव ऊपर आ गया हो। जांच की जा रही है7

नाला न बनने से जानमाल का खतरा तथा पानी की समस्या से बीमारी बढ़ने का अंदेशा

क्यूँ न लिखूँ सच -अश्विन नामदेव

झिझाना। देखों क्या हालत है वार्ड 14 में है ये सड़क के बीच में नाला खुद रहा है आने जाने का रास्ता नहीं है तथा पानी में को

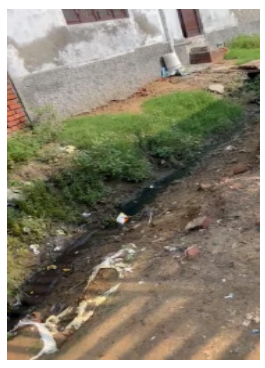

निकल कर आते हैं tatha मोटे मोटे साप् दिखते है तथा जानमाल का खतरा होता है और गन्दगी के कारण मच्छ होने से भयंकर बीमारी का ख़तरा बढ़ने की आशंका है। नगरपालिका झिझाना को चाहिए कि इस पर भी विशेष महत्व दे ताकि बीमारी तथा होने वाले जानमाल के खतरों से बचा जा सके। नगरपालिका से अपील है कि अगर सडक़ अभी नहीं बन सकती तो नाला ज़रूर बन दो ताकि गंदा पानी की निकासी सुचारु रूप से हो सके तथा घर के आगे भरे गंदे पानी की समस्या ठीक हो सके।

गैस सिलेंडर बना आग का गोला जिसकी चपेट में आकर लाखों का सामान तहस -नहस

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा।चाय बनाते समय गैस सिलेंडर बना आग का गोला जिसकी चपेट में आकर लाखों का सामान तहस -नहस हो गया। मोहल्ले के लोगों ने भारी मशक्कत कर घंटों में बुझाई आग जानकारी के अनुसार नगर से सटे थाना भोजीपुरा के गांव अलीनगर में नूर मोहम्मद की पत्नी हाजरा रसोई में चाय बनाने गई।इसी दौरान गैस सिलेंडर में पाइप द्वारा आग लग गई। और तेज़ लपटें उठने लगी पीड़िता ज़ोर - ज़ोर मदद को चिल्लाने लगी तमाम लोग शोर-शराबा सुनकर वहां पहुंच गए। लेकिन तेज लपटों के आगे कोई भी बढ़ने की हिम्मत नहीं जुटा सका। ग्रामीणों ने मामले की सूचना एक सौ बारह नम्बर के साथ अग्निशमन विभाग को भी दी। लेकिन देखते ही देखते सिलेंडर बम की तरह जोरदार धमाके के साथ फट गया। आस-पास के रहने वाले लोग सहम गए।घर में रखी मोटर साइकिल, वाशिंग मशीन,खाने -पीने की वस्तुएं,पंखे बिस्तर लाखों का घरेलू सामान तहस-नहस हो गया। लगभग एक घंटा में ग्रामीणों ने आग पर काबू पाया। लेकिन दमकल तब तक मौके पर नहीं पहुंची। मौके पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना किया। पीड़ित का आरोप है कम्पनी द्वारा बिल्कुल खस्ताहाल सिलेंडर दिया गया। जिसके चलते हादसा हुआ है।

सीएम योगी से हुई पुलिस की लापरवाही की शिकायत, पीड़ित परिवार को न्याय का भरोसा

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविंद शुक्ला

फर्रुखाबाद, जहानगंज। थाना क्षेत्र में दो महीने पहले हुई दो पुत्रों की हत्या के मामले में पीड़ित परिवार को अब तक न्याय नहीं मिला है। पीड़ित पिता ने नामजद आरोपियों के खिलाफ तहरीर दी थी, लेकिन पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। पुलिस की लापरवाही और उदासीनता के चलते पीड़ित परिवार न्याय के लिए भटक रहा है। चरखारी, महोबा के विधायक ब्रजभूषण राजपूत ने पीड़ित परिवार की सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कराई और न्याय दिलाने के लिए एक पत्र भी सौंपा। सीएम योगी ने पीड़ितों से मुलाकात कर उन्हें न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए सीएम ने अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए है।

राष्ट्रीय लोक अदालत का विधिवत् उद्घाटन किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच

उरई - माननीय जनपद न्यायाधीश श्री अचल सचदेव द्वारा फीता काटने के उपरान्त मां सरस्वती पर माल्यार्पण करके दीप प्रज्वलित करते हुये राष्ट्रीय लोक अदालत का विधिवत् उद्घाटन किया गया। जनपद की सभी तहसीलों मे स्थित दीवानी न्यायालयों में भी उक्त आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। साथ ही माननीय जनपद न्यायाधीश महोदय द्वारा हिन्दी दिवस के मौके पर हिन्दी पखवाड़ा 14 सितम्बर से 21 सितम्बर 2024 तक मनाने के कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में जनपद न्यायाधीश के अलावा प्रधान न्यायाधीश श्री मनोज कुमार गौतम, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण के पीठासीन अधिकारी श्री अनिल कुमार वशिष्ठ, जिलाधिकारी श्री राजेश पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक डा0 दुर्गेश सिंह व समस्त न्यायिक अधिकारीगण उपस्थित रहें। राष्ट्रीय लोकअदालत में निस्तारित वादों की जानकारी देते हुए सचिव/ अपर जिला जज जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री राजीव सरन द्वारा बताया गया कि आज माननीय जनपद न्यायाधीश श्री अचल सचदेव के कुशल मार्गदर्शन में सम्पन्न हुई राष्ट्रीय लोक अदालत में माननीय जिला जज द्वारा 42 मुकदमों का निस्तारण किया गया एवं मु0 41908101/-रू0 धनराशि पक्षकारों को दिलायी गयी। उनके द्वारा अवगत कराया गया कि आज लोक अदालत में कुटुम्ब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश श्री मनोज कुमार सिंह गौतम द्वारा 32 मुकदमों का निस्तारण करते हुये भरण पोषण के मामलों में 1142500/- रू0 पीड़ित महिलाओं को दिलाये। इनके द्वारा 04 वैवाहिक मामले प्रीलिटिगेशन स्तर के भी निपटाये गये।

भारी बरसात से कच्चे मकानों की दीवारें गिरीं, भैंस की मौत, कई स्थानों पर नुकसान

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविंद शुक्ला

फर्रुखाबाद/ कमालगंज। पिछले दो दिनों से लगातार हो रही भारी बरसात ने थाना क्षेत्र के कई ग्रामों में व्यापक नुकसान पहुंचाया है। ग्राम पंचायत नथुआपुर में जयचंद्र पुत्र गोकुल प्रसाद की झोपड़ी गिर गई, जिससे उनकी कीमती भैंस की मौत हो गई। राजेपुर भूड़ में महिला मौर्य श्री पत्नी हाकिम सिंह का कच्चा मकान अतिवृष्टि के कारण ढह गया, हालांकि इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। ग्राम चंदनपुर में सारिका पत्नी मोनू का कच्चे मकान की छत गिर गई। इसी प्रकार, ग्राम पंचायत याकुतगंज में नगमा बेगम पत्नी करीम अली का कच्चा मकान गिरने से परिवार बाल-बाल बच गया। रामपुर ग्राम में एक ग्रामीण की दीवार गिरने से दो बकरियां दब गई, जिन्हें समय रहते बचा लिया गया। श्रंगीरामपुर में भी कई मकानों की छतें और दीवारें गिर गईं। स्थानीय प्रशासन और राजस्व अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचकर नुकसान का आकलन कर रहे हैं। एक दर्जन से ज्यादा ग्रामों में लोगों को इस भारी बरसात से काफी नुकसान उठाना पड़ा है। प्रशासन ने प्रभावित क्षेत्रों में मदद के लिए राहत कार्य शुरू कर दिए हैं और पीड़ितों की सहायता करने के लिए सभी संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

गंगा में डूबने से विकलांग की मौत

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविंद शुक्ला

फर्रुखाबाद/कमालगंज। थाना क्षेत्र के ग्राम श्रंगीरामपुर के मजरा सरैया निवासी सियाराम यादव, जो विकलांग थे, की गंगा में डूबकर मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, सियाराम कल सुबह जानवर चराने गंगा नदी पार गए थे। शाम को जानवरों के साथ वापस लौटते समय, तैरकर नदी पार करते हुए वे मझधार में फंस गए। स्थानीय ग्रामीणों ने उन्हें डूबते देखा और बचाने का प्रयास किया, लेकिन असफल रहे। अंततः गहरे पानी में डूबने से उनकी मृत्यु हो गई। काफी प्रयास के बाद ग्रामीणों ने शव को नदी से बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

माता पिता के साथ सोते समय किसी अज्ञात जानवर के हमले से 10 वर्षीय बालक जख्मी

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविन्द कुमार यादव

श्रावस्ती। जनपद श्रवस्ती के थाना मल्हीपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सभा मोहनपुर भरथा में देर रात अपने माता पिता के साथ चारपाई पर सो रहे 10 वर्षीय स्वामी नाथ पुत्र गुड्डू को किसी अज्ञात जानवर ने मुंह पर पंजा मारकर जख्मी कर दिया। अचानक बेटे के रोने की आवाज सुनकर पिता ने जोर जोर से शोर मचाया तो आसपास के ग्रामीण इकट्ठा हो गए उससे पहले जानवर भाग खड़ा हुआ। ग्रामीणों ने काफी तलाश करने की कोशिश की परंतु उसका कुछ सुराग नहीं लगा। परिजनों ने घायल स्वामीनाथ को एम्बुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ केंद्र मल्हीपुर लाए जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया। सुबह ग्रामीणों द्वारा घटना की सूचना जब वन विभाग को दी तो मौके पर पहुंचे उपजिलाधिकारी जमुनहा संजय राय, वन विभाग के उपप्रभागीय वनाधिकारी वेद प्रकाश, वन रेंज अधिकारी हरदत नगर गिरंट राममिलन, वन दरोगा अजय कुमार कश्यप, विपिन कुमार श्रीवास्तव तथा थाना प्रभारी मल्हीपुर ने मौके पर जाकर परिजनों से बात की। ग्रामीणों द्वारा बताए गए रासी बैराज के पास सरयू नहर विभाग की लगी घनी बाग में तलाश की गई परंतु उसका कोई सुराग नहीं मिला। इस सम्बंध में वन रेंज अधिकारी द्वारा बताया कि टीम गठित कर लोगों को भरोसा दिलाया कि डरने की कोई बात नहीं है। आप लोग भी सतर्क रहें जागते हुए सोए और हम सभी किसी प्रकार की अनहोनी नहीं होने देंगे।

हत्यारे भाई व भाभी को चौकी बसदेई पुलिस ने किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर। ग्राम शिवप्रसादनगर निवासी गंगा सिंह पिता हिन्दुलाल ने चौकी बसदेई में सूचना दिया कि दिनांक 27.08.24 को मृतक इन्द्रपाल सिंह का बड़ा भाई जवाहिर व उसकी भाभी धनेश्वरी दोनों मिलकर घरेलू आपसी विवाद की बात पर इन्द्रपाल को मारपीट करने से गंभीर अवस्था में घायल होकर बेहोश हो गया मृतक के पिता गांव के आटो रिक्शा को बुलवाकर अस्पताल ले जाने का प्रयास किये किन्तु आरोपी के द्वारा आटो वाले को ले जाने से मना कर वहां से भगा दिया। ईलाज हेतु वाहन नहीं मिलने से मृतक के पिता अपने नाती के मोटर सायकल में सूरजपुर भेजा था कि उमेशपुर नर्सरी के पास मोटर सायकल का सन्तुलन बिगड़ने से मोटर सायकल सहित गिर गए जिससे मृतक के सिर के पीछे तरफ चोट लगा था जिसे एम्बुलेंस से जिला अस्पताल सूरजपुर ले गए थे जहां डॉक्टर के द्वारा उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर चौकी बसदेई पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच किया। मले की सूचना पर डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री एम.आर.आहिरे (भापुसे) ने फरार आरोपियों को जल्द पकड़ने के निर्देश दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो व सीएसपी एस.एस.पैंकरा के मार्गदर्शन में चौकी बसदेई की पुलिस विवेचना करते हुए आरोपी की पतासाजी में लगी थी इसी बीच प्राप्त सूचना के आधार पर दबिश देकर आरोपी जवाहिर सिंह उर्फ जवाहीर लाल पिता हिन्दुलाल उम्र 30 वर्ष ग्राम शिवप्रसादनगर व धनेश्वरी पति जवाहिर उम्र 24 वर्ष ग्राम शिवप्रसादनगर को पकड़ा गया। पूछताछ पर दोनों ने घटना को अंजाम देना स्वीकार किया जो दोनों आरोपियों को विधिवत् गिरफ्तार किया गया है। इस कार्यवाही में चौकी प्रभारी बसदेई विजय सिंह, एएसआई संजय सिंह, प्रधान आरक्षक आनंद सिंह, आरक्षक देवदत्त दुबे, अमित सिंह व महिला आरक्षक सुषा मिंज सक्रिय रहे।

आप अपना किसी भी प्रकार का विज्ञापन प्रकाशित कराये जैसे नीलामी सूचना, बेदखली सूचना,क्रय विक्रय सूचना आदि, वो भी कम कीमत में संपर्क करे - 9०7776991

संक्षिप्त समाचार

सिद्ध पीठ बाबा बद्रीनाथ धाम के कपाट खुलते ही शामली वालो का तीन दिन विशाल भंडारा

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली से शिवाभक्त विपिन नेताजी के तत्वाधान मे गत वर्षो की भाती इस वर्ष भी शामलीसे श्रद्धालुओं के लिए 12 बस सिद्धपीठ माता शाकुंभरीदेवी दर्शनों के लिए निशुल्क लेकर जाएगी उसके बाद विशाल भंडारा आयोजित किया जाएगा शिवभक्त विपिन नेताजी ने कहा अगस्त के महीने मे वे शिवभक्तों को भारी संख्या में सिद्धि पीठ श्री जागेश्वर धाम शामली से लेकर जाते हैं ओर सिद्धपीठ श्री जागेश्वर धाम मे शामली वालो का दिन विशाला भंडारा आयोजित किया जाता हैं उक्त विशाल भंडारे मे हजारों शिव भक्त प्रशाद ग्रहण कर धर्म लाभ उठाते है उन्होंने कहा सिद्धपीठ श्री बद्रीनाथ धाम के जब कपाट खुलते हे वे शामली से शिवभक्तों को लेकर बद्रीनाथ धाम जाते हैं ओर शिव भक्त बद्रीनाथ धाम के दर्शन कर धर्म लाभ उठाते है उन्होंने कहा शामली वालो का वहा भी तीन दिन विशाल भंडारा चलता है जहा हजारों शिव भक्त प्रशाद ग्रहण कर धर्म लाभ उठाते है उन्होंने कहा सिद्धपीठ शाकुंभरी देवी तीसरी बार शामली से माता के भक्तों के लिए 12 बस निशुल्क 15 सितंबर को शिव चौक से सुबह 5:00 बजे जा रही है जिसमे सभी श्रद्धालुगण माता शाकुंभरीदेवी के दर्शन कर धर्म लाभ उठायेगे उन्होंने कहा सिद्धपीठ शाकुंभरी देवी मे शामली वालो विशाल भंडारा आयोजित किया जायेगा जिसमें हजारों माता भक्त प्रशाद ग्रहण कर धर्म लाभ उठायेगे उन्होंने कहा श्रद्धालु गण श्रद्धा पूर्वक माता शाकुंभरीदेवी के धाम पर शिश झुका कर मन्नत मांगता है उसकी मनोकामनाएं पूर्ण होती है इस अवसर पर अनुराग गोयल, संदीप बाबू ,मुकेश गोयल, सचिन गोयल, पवन बजरंगी आदि मौजूद रहे

राजश्री कालेज के छात्र-छात्राओं ने किया बी एल एग्रो का औद्यौगिक भ्रमण

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा।राजश्री इंस्टीस्ट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एण्ड टेक्नोलॉजी के छात्र-छात्राओं ने बी एल एग्रो कम्पनी बरेली का औद्योगिक भ्रमण किया। इसमें आई टी आई के छात्र-छात्राओं ने कम्पनी की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी प्राप्त की। संस्थान के प्रबन्ध निदेशक रोहन बंसल ने कहा कि औद्योगिक भ्रमण से छात्र-छात्राओं को भविष्य में जॉब प्राप्त करने के अलावा विभिन्न स्टार्ट-अप शुरू करके अपने रोजगार को खड़ा करने में आधारभूत जानकारी प्राप्त होती है। बी एल एग्रो कम्पनी के एच.आर मैनेजर अभिषेक दीपक पॉल ने बॉयलर, फरनैस, मिक्सिंग, प्यूरीफिकेशन कार्यप्रणाली से अवगत कराया। जापानी तकनीकि के द्वारा रोबोटिक पैकेजिंग प्रणाली का निरीक्षण किया। भ्रमण में मार्गदर्शक के रूप में प्लेसमेंट हेड अंकुर भटनागर, दीपाली सिंह, चन्द्रिका सक्सेना, सबा आरिफ, तुलसी सिंह, जसोदा, अर्जुन सिंह वीरेन्द्र कुमार, ऋषि सोयाल का विशेष सहयोग रहा।

मैनेजमेंट के लिए मेरे को टाइम का कोई वैल्यू

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर। दूरस्थ क्षेत्र चांदनी बिहार पुर के ग्राम पंचायत कछिया में भागवरदा,पर स्कूल प्रधान पाठक ने कई दिनों से एक से डेढ़ बजे स्कूल से निकलकर चली जाती है और पूछने पर उसके द्वारा बताया जाता है कि मैं प्रधान पाठक हूं स्कूल मैनेजमेंट के लिए मेरे को टाइम का कोई वैल्यू नहीं रहता है मैं संकुल में जाकर के बैठकर अपना काम करती हूं बहुत सारे डॉक्यूमेंट तैयार करना रहता है मेरे को ऑफिशियल मेरे ऊपर प्रेशर बहुत ज्यादा रहता है इसलिए मैं एक से 1:30 बजे निकाल कर चली जाती हूं जब शिक्षकों के द्वारा पूछा गया तो बताएं कि यह बात सही है कि एक से लेकर 1:30 तक में फाइडे चली जाती है बच्चे लोग का भी बयान लिया गया तो बच्चे लोग भी यही बयान को बताएं कि स्कूल में कभी बराबर नहीं रहती है एक से लेकर आठवीं तक का स्कूल है

जंगली जानवरों के ख़तरों से खेलकर अपनी पढ़ाई पूरी करने 6 किलोमीटर चलकर पढ़ाने जाने को मजबूर

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- ग्राम बैजनपाठ एवं लुल के नाबालिग बच्चे पैदल पहाड़ी रास्तों से प्रतिदिन जंगली जानवरों के ख़तरों से खेलकर अपनी पढ़ाई पूरी करने 6 किलोमीटर लगभग चलकर अपनी भविष्य संवारने, अपने जिंदगी के नये आयाम लिखने मीडिल स्कूल खोहिर जाते हैं। वहीं लूल के बच्चे भून्डा जाते हैं गांव में केवल एक आंगनबाड़ी केंद्र, एक प्राथमिक स्कूल संचालित है। बांकि कक्षा 6 वीं से 8 वीं तक अपनी पढ़ाई पूरी करने मीडिल स्कूल खोहिर जाते हैं। घना पहाड़ी रास्ता एकदम सुनसान, नदी नाले पार कर के किसी तरह अपनी पढ़ाई पूरी कर रहे हैं। गांव के सरपंच फूलसाय पण्डो से बात करने पर उन्होंने ने कहा कि हमने अपने और ग्रामीणों की तरफ से पण्डो पारा बैजनपाठ में एक आंगनबाड़ी केंद्र, बैजनपाठ में ही एक मीडिल स्कूल खोलने हेतु लगभग 10 सालों से प्रयास, मांग किया लेकिन अब तक नहीं खुल पाया। मैंने अपने कार्यकाल में खुद मंत्रालय से लेकर इधर जिला कलेक्टर तक मांग रखा। पूर्व सरकार के मुख्यमंत्री ,शिक्षा मंत्री, अभी वर्तमान सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्री से लेकर सारे बड़े अधिकारियों तक लिखित रूप से इस बात को रखा लेकिन नहीं खुल रहा है तो अब कर ही क्या सकते हैं। सरकार को इस पर पहल करना चाहिए बच्चों के भविष्य और जिंदगी का सवाल है। मीडिल स्कूल खोहिर के शिक्षक मानवता देखते हुए और परेशानियों के देखते हुए, बच्चों के ये कहने पर कि सर हमें पैदल जाना है थोड़ा आधा घंटा पहले हम लोगों को छुट्टी दे दीजिएगा ताकि हम दिन रहते ही जंगल और नदी पार कर सकें। इतना समस्या देखते हुए शिक्षकों के भी दिल पसीज जाता है और सुरक्षित अपने घर पहुंच सकें इसलिए आधे घंटे पहले ही उनको छोड़ दिया जाता है।

मिशन शक्ति अतंर्गत 100 दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- रेवती रमन मिश्र कॉलेज सूरजपुर में जिले के कलेक्टर श्री रोहित व्यास के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री रमेश साहू के निर्देशानुसार मिशन शक्ति 100 दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें जुलाई 2024 से लागू होने वाले तीन नये कानूनों के बारे में छ.ग. उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता श्री हरिशंकर त्रिपाठी के द्वारा विस्तृत रूप से जानकारी दी गई और बताया गया कि पूर्व में अंग्रेजों द्वारा कानून 1860 में बनाया गया था जो आज के परिवेश के अनुसार सही नहीं था उसे बदलकर आज के समस्याओं के अनुसार कानून बनाये गये है यह लोगों की सुविधा के लिये बहुत ही महत्वपूर्ण है, यदि व्यक्ति अपने आचरण और व्यवहार को अच्छा बनाकर रखेंगे तो कानून की आवश्यकता ही नहीं पडेगी। जिला इसी तारतम्य में महिला एवं बाल विकास विभाग से संरक्षण अधिकारी इन्द्र चौबे तिवारी द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढाओ बेटी जन्म को प्रोत्साहन देने हेतु शासन द्वारा बनाये गये योजनाओं नोनी सुरक्षा योजना, सुकन्या योजना, मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना मातृत्व वंदना योजना महतारी वंदन योजना आदि के बारे में जानकारी देते हुए बच्चियों को सशक्त बनाने तथा महिलाओं के सम्मान की बात कही गई। इस कार्यक्रम में उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता श्री हरिशंकर त्रिपाठी महिला एवं बाल विकास विभाग से जिला संरक्षण अधिकारी इन्द्र चौबे तिवारी कॉलेजे के प्रिंसिपल एच.एन. दुबे, सी.बी. मिश्रा, रश्मि पाण्डेय एवं समस्त स्टाफ तथा कॉलेज के समस्त छात्र-छात्राएं उपस्थित रहीं।

पुरस्कार वितरण व शपथ ग्रहण कर स्वच्छता पखवाडा का हुआ समापन

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- विकासखंड रामानुजनगर के माध्यमिक शाला पतरापाली में आज शनिवार को स्वच्छता शपथ, स्वच्छता पखवाड़ा समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन संपन्न हुआ। 1 सितम्बर से 15 सितम्बर तक शासन के निर्देशानुसार स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका आरंभ दिनांक 1 सितम्बर को 'स्वच्छता शपथ' तथा अभिभावकों व शिक्षकों के मध्यम स्वच्छता और स्वच्छता के महत्व, हाथ धोने के महत्व, जल संरक्षण व वर्षा जल संचयन इत्यादि के महत्व पर चर्चा हुआ था। इस अवधि में स्वच्छता से संबंधित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। स्वच्छता पखवाड़ा की अवधि में स्वच्छता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित करने के उद्देश्य से आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों में विभिन्न स्थलों की साफ सफाई, विभिन्न प्रतियोगिताएं नारा लेखन, निबंध, चित्रकला, पोस्टर, भाषण, पत्र लेखन, रंगोली, वाद विवाद आदि का आयोजन किया गया। उच्चवर्ग श्रेणी शिक्षक महेन्द्र पटेल के द्वारा विभिन्न प्रतिभागी विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। जिसमे निबंध प्रतियोगिता में प्रथम रुपा यादव, द्वितीय रिंकी, तृतीय सोनी, चित्रकला में प्रथम साधना सिंह, द्वितीय अनिता, तृतीय प्रियंका, पोस्टर में प्रथम शालू साहू, द्वितीय संजय, तृतीय बिक्की, भाषण में प्रथम रुपा यादव, द्वितीय अनिता, तृतीय प्रशांत, नारा लेखन में प्रथम रुद्र, द्वितीय अंकित, तृतीय शिवा, पत्र लेखन में प्रथम अजय, द्वितीय देवंती, तृतीय मनीष एवं रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम सौम्या पटेल, द्वितीय पूजा, तृतीय स्थान मोनिका ने प्राप्त किया। स्वच्छता पखवाड़ा की अवधि में आयोजित किए गए विभिन्न कार्यक्रमों बच्चे एवं शिक्षको ने अत्यंत उत्साहपूर्वक प्रतिभागिता की। कार्यक्रम प्रभारी योगेश साहू ने स्वच्छता पखवाड़ा समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में कहा की स्वच्छता के प्रति बच्चों को सजग रहने, सदैव तत्पर रहने के लिए प्रेरित किया उन्होंने कहा कि हमें अपने कार्यस्थल की स्वच्छता के प्रति भी प्रतिबद्ध रहना चाहिए। कार्यक्रम में प्रधानपाठक बी आर हितकर, जी डी सिंह, कृष्ण यादव, अनिता सिंह, योगेश साहू, रघुनाथ जायसवाल सहित छात्र छात्राये उपस्थित थे

जनपद पंचायत भैयाथान के मंगल भवन में दिव्यांग शिविर का किया गया आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- _आज जनपद पंचायत भैयाथान मंगल भवन में संबल जिला स्तरीय दिव्यांग जनों का नि:शुल्क मेडिकल प्रमाण पत्र नवीनीकरण प्रमाणीकरण शिविर आयोजित किया गया। जिसमें कुल पंजीयन 213, मेडिकल प्रमाणीकरण_52, कार्ड 5 अपडेट किया विकास विभाग से बच्चों लिया गया, उद्यान किया गया, स्वास्थ्य स्वास्थ्य परीक्षण कर गया और संबंधित विभाग योजनाओं से लाभान्वित प्रमाण पत्र नवीनीकरण, यूडीआईडी 87 , आधार गया। महिला बाल का वजन, ऊंचाई नाप विभाग से पौधे वितरण विभाग द्वारा निशुल्क दवाईयां वितरण किया अन्य शासकीय किया गया। श्री अभय प्रताप, श्री राजू, सरपंच अन्य जनप्रतिनिधि, जनपद स्तर के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

नाबालिग को शादी करने की नियत से बहला फुसला कर भगा ले जाने वाला अभियुक्त गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती। पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया द्वारा जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में कोतवाली भिनगा लाल साहब सिंह मय पुलिस टीम द्वारा मु0अ0सं0 0272/2024 धारा 363, 366ए,506,368,120बी भादवि में वांछित अभियुक्त सुखराज यादव पुत्र रामछवि यादव नि0 भलुहिया दा0 किशुनपुर चोरवाभारी थाना को0 भिनगा जनपद श्रावस्ती को मुखबिर की सूचना पर धर्मपुर चौराहा थाना को0 भिनगा पर से गिरफ्तार किया गया।

टोड़ी समय माता मंदिर पर जागरण का प्रोग्राम

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती विकासखंड जमुनहा के अंतर्गत ग्राम पंचायत हरदत्तनगर गिरंट में टोड़ी समय माता मंदिर पर गणेश लक्ष्मी प्रतिमा ग्रामीणों के सहयोग से व ग्राम प्रधान विजय कुमार सिंह व मंडल अध्यक्ष भाजपा मिंटू यादव के सहयोग से जागरण का कार्यक्रम कराया गया जिसमें लखीमपुर खीरी से आए दिलीप सांवरिया ने अद्भुत झांकी प्रस्तुत किया और काफी क्षेत्र के दूर दराज के लोग कई हजारों की संख्या में पहुंचकर जागरण कार्यक्रम को देखा और गणेश जी की झांकी ,हनुमान जी की झांकी, राम लक्ष्मण सीता की झांकी, शंकर भगवान की झांकी, को देखकर भाव विभोर हो उठे हजारों की संख्या में महिलाएं और बच्चे तथा बुर्जुग की भीड़ उमड़ पड़ी। तथा भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

'ज्ञानवापी साक्षात विश्वनाथ ही... लेकिन लोग दूसरे शब्दों में मस्जिद कहते हैं' , सीएम योगी का बड़ा बयान

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में शनिवार को ज्ञानवापी को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से आज ज्ञानवापी को लोग दूसरे शब्दों में मस्जिद कहते हैं, लेकिन ज्ञानवापी साक्षात भगवान विश्वनाथ ही हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ज्ञानवापी पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि ज्ञानवापी को आज लोग दूसरे शब्दों में मस्जिद कहते हैं, लेकिन ज्ञानवापी साक्षात विश्वनाथ ही हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को डीडीयू गोरखपुर यूनिवर्सिटी में नाथपंथ पर आयोजित संगोष्ठी का शुभारंभ किया। इस दौरान सीएम योगी ने कहा कि ज्ञानवापी साक्षात भगवान विश्वनाथ हैं। नाथ परंपरा ने हमेशा सबको समय में राष्ट्रीय एकता की ओर ध्यान है, वह हमारे जीवन का हिस्सा है।सीएम में चार पीठों की स्थापना की। काशी में उन्होंने देखा कि सुबह ब्रह्ममुर्हत में इसी बीच अचानक एक अछूत कहे जाना होता देख सामान्य रूप में उनके मुंह से आदिशंकराचार्य से प्रश्न पूछता है कि इस भौतिक काया को देख रहा है या अंदर भी है और अगर इस ब्रह्म सत्य को आदिशंकराचार्य ने उनके मुंह से ऐसी जिस ज्ञापव्यापी की साधना के लिए वो आदिशंकराचार्य उनके सामने नतमस्तक सीएम योगी ने हिंदी दिवस की बधाई व्यवहारिक भाषा जिसे देश की बड़ी है। हर भाषा का श्रोत संस्कृत से जुड़ता

जोड़ने की कोशिश की है। गुरु गोरखनाथ ने अपने आकर्षित किया था। रामचरित मानस समाज को जोड़ता योगी ने बताया कि शंकराचार्य ने भारत के चार कोनों आए तो भगवान विश्वनाथ ने उनकी परीक्षा लेनी चाही। आदिशंकराचार्य गंगा स्नान के लिए जा रहे होते हैं। वाला व्यक्ति उनके सामने आ जाता है। सामने खड़े निकलता है कि मेरे सामने से हटो। तब वो आप किसको हटाना चाह रहे हैं? आपका ज्ञान क्या ब्रह्म को देख रहा। अगर ब्रह्म सत्य है तो ये ब्रह्म मेरे जानकर ठुकरा रहे हैं तो ये सत्य नहीं है। इतना सुनते ही बात सुन पूछा कि आप कौन हैं? उन्होंने बताया कि काशी आए हैं, मैं वहीं साक्षात विश्वनाथ हूं। ये सुनकर हो गए। दुर्भाग्य है कि आज लोग उसे मस्जिद कहते हैं। दी। साथ ही कहा कि, देश को जोड़ने की एक आबादी जानती है। हिंदी का मूल देववाणी संस्कृत से है। अगर हमारी भाषा और भाव स्वयं की नहीं है तो प्रगति प्रभावित होगी। मोदी सरकार ने 10 वर्षों में हिंदी को हर स्तर पर प्रोमोट किया। आज इसका परिणाम है कि मेडिकल और इंजीनियरिंग के पाठ्यक्रम भी हिंदी में देखने को मिल रहे हैं। अब राजनयिक आते हैं तो हिंदी को माध्यम बनकर हमसे संवाद करते हैं। भारत के संतों की परंपरा सबको जोड़ने की रही है।

पीएम आवास परिवार में नए सदस्य का आगमन, प्रधानमंत्री मोदी ने साझा किया खूबसूरत वीडियो

प्रधानमंत्री आवास परिवार में एक नए सदस्य का आगमन हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर इसकी जानकारी दी है और बताया कि उन्होंने नए मेहमान का नाम दीपज्योति रखा है।प्रधानमंत्री आवास परिवार में एक नए सदस्य का आगमन हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर इसकी जानकारी दी है। दरअसल पीएम मोदी ने एक वीडियो साझा किया है, जिसमें वह गाय मोदी ने लिखा कि %हमारे शास्त्रों में कहा प्रधानमंत्री आवास परिवार में एक नए सदस्य माता ने एक नव वत्सा को जन्म दिया है, नाम दीपज्योति रखा है।वीडियो में प्रधानमंत्री पीएम आवास में टहलते नजर आ रहे हैं। अभिषेक भी किया। बछिया भी आराम से एक अन्य पोस्ट में प्रधानमंत्री ने लिखा, 7, बहुत प्यारी है।'पहले भी मोर को दाना खिलाते जानवरों के प्रति प्रेम और प्रकृति प्रेम के लिए मीडिया पर एक वीडियो साझा किया था, आए थे। इस दौरान प्रधानमंत्री पीएम आवास अठखेलियां करते नजर आया था। इस दौरान लिखा था कि- भोर भयो, बिन शोर, मन

की बछिया के साथ दिखाई दे रहे हैं। अपने पोस्ट में पीएम गया है- गावः सर्वसुख प्रदाः। लोक कल्याण मार्ग पर का शुभ आगमन हुआ है। प्रधानमंत्री आवास में प्रिय गौ जिसके मस्तक पर ज्योति का चिह्न है। इसलिए, मैंने इसका मोदी गाय के बछिया को दुलारते और उसे गोद में लेकर प्रधानमंत्री ने भगवान के मंदिर के सामने बछिया का प्रधानमंत्री के साथ सोफे पर प्यार से बैठे नजर आ रही है। लोक कल्याण मार्ग में एक नई सदस्य! दीपज्योति वाकई हुए साझा किया था वीडियो- प्रधानमंत्री मोदी अपने जाने जाते हैं। कुछ वर्ष पहले भी पीएम मोदी ने सोशल जिसमें प्रधानमंत्री एक मोर को दाना खिलाते हुए नजर के लॉन में टहलते नजर आए, वहीं बराबर में ही मोर प्रधानमंत्री ने एक कविता भी साझा की थी, जिसमें उन्होंने मोर, भयो विभोर, रग-रग है रंगा, नीला भूरा श्याम सुहाना, मनमोहक, मोर निराला। रंग है, पर राग नहीं, विराग का विश्वास यही, न चाह, न वाह, न आह, गूँजे घर-घर आज भी गान, जिये तो मुरली के साथ जाये तो मुरलीधर के ताज। जीवात्मा ही शिवात्मा, अंतर्मन की अनंत धारा मन मंदिर में उजियारा सारा, बिन वाद-विवाद, संवाद बिन सुर-स्वर, संदेश मोर चहकता मौन महकता।

पश्चिम उत्तर प्रदेश अलग राज्य बनाए जाने के लिए जन संवाद सभा किसान डिग्री कॉलेज में

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली- राष्ट्रीय बाल्मीकि समाज प्रतिनिधि मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरविंद झंझोट ने प्रेस बयान में बताया

कि पश्चिम उत्तर प्रदेश के अलग राज्य बनाए जाने की मांग को लेकर पश्चिम उत्तर प्रदेश विकास मंच के नेतृत्व में पश्चिम उत्तर प्रदेश को अलग राज्य बनाए जाने की मांग को लेकर सभी धर्म के व्यक्तियों को साथ में लेकर के जन संवाद बैठक शामली किसान डिग्री कॉलेज में 15 सितंबर 2024 किसान डिग्री कॉलेज करनाल रोड शामली में की जाएगी राष्ट्रीय बाल्मीकि समाज प्रतिनिधि मंच के मुख्यालय पंसारियां न जनपद शामली में आज प्रातः 10ः00 बजे पश्चिम उत्तर प्रदेश विकास मंच के राष्ट्रीय महासचिव योगेंद्र मलिक एवं यशपाल मलिक अपनी टीम सहित पहुंचे और उन्होंने बताया कि पश्चिम उत्तर प्रदेश लगभग 27 जिलों का बनाया जा सकता है जिसमें हमारे पश्चिम उत्तर प्रदेश के गठन होने पर पश्चिम उत्तर प्रदेश का विकास होगा सभी वर्गों के लोगों को रोजगार उपलब्ध होगा और यहां का व्यापार भी अधिक बढ़ेगा और हमारा प्रदेश अच्छे से प्रगति करेगा न्यायपालिका भी हमारे पश्चिम उत्तर प्रदेश में स्थापित होगी और सभी वर्गों को राजनीतिक क्षेत्र में आगे बढ़ाने के अवसर प्रदान होंगे आने

वाले 15 सितंबर को शामली किसान डिग्री कॉलेज में प्रातः 10ः00 बजे अधिक से अधिक संख्या में सभा में पहुंचे जिसमें पश्चिम उत्तर प्रदेश को अलग से राज्य बनाने के लिए विचार विमर्श किया जाएगा

और इस संगठन में सभी वर्गों के लोगों को रखा जाएगा और मिलकर के संघर्ष किया जाएगा उक्त अवसर पर पश्चिम उत्तर प्रदेश विकास मंच के राष्ट्रीय महासचिव योगेंद्र मलिक यशपाल मलिक चौधरी विजेंद्र प्रधान राजीव मलिक सभासद राष्ट्रीय वाल्मीकि समाज प्रतिनिधि मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरविंद झंझोट नंदू प्रसाद वाल्मीकि जिला संयोजक शामिल रहे।

ग्राम देवगांव में बिराजे मोदकप्रियम गणपति बप्पा की सजी सुंदर झांकी हुए भव्य कार्यक्रम

क्यूँ न लिखूँ सच -नीरज कुमार

कोंच जालौन)ग्राम देवगांव में गणेश उत्सव बड़े ही उत्साह एवं भक्ति भाव के साथ मनाया जा रहा है विभिन्न जगहों पर गणेश पंडाल में बिराजे गणपति की सुंदर सुंदर झांकिया सजाई गई है और महिलाओं की टोलियां मंगल भजन गाकर त्योहार को मना रही है देर रात तक भजन कीर्तन कर घर सुख शांति समृद्धि का आशीर्वाद विघ्नहर्ता से ले रही है। बुंदेलखंड में सावन एवं भादो में झांकियां सजाने का प्रचलन काफी पुराना है मराठाकालीन समय नगर का गणेश महोत्सव प्रसिद्ध है यहां दूर दराज से लोग महोत्सव में आकर भगवान गणेश की पूजा अर्चना करते है और उनसे कामना करते हैं

क्षेत्र में काफी जगह पर विराजे

विघ्नहर्ता गणेश के विभिन्न स्वरूप तथा झांकिया देखने को मिल रही है देवगांव नगर में बने गणेश मंदिर में विराजमान मोदकप्रियम श्री गणेश जी की झांकी अद्भुत झालरों एवं रंग बिरंगी सजाई गई है

और पूजा पाठ कर आशीर्वाद ले रहे है वहीं दिवियापुर से आई भक्ति मई कलाकारों ने ग्राम में शिवजी एवं गणेशजी के सुंदर सुंदर कार्यक्रम किए देर रात तक कार्यकम चलता रहा ग्राम व नगर की सुख शांति की कामना की। देखने के लिए ग्राम व क्षेत्र से भारी भीड़ वहां लगी रही व पुलिस स्टाफ भी मौजूद रहा पुलिस स्टाफ में एस.आई दिनेश सिंह कोबरा पुलिस आदित्य तिवारी अपनी ड्यूटी करते रहे वही कमेटी अध्यक्ष संदीप दुवेदी डॉक्टर एच एन निरंजन आनंद शर्मा बंटू राठौर अंबिका प्रसाद गुप्ता शालू बुंदेला अभय पटेल नितिन पटेल लालू चौधरी भूरे गुप्ता कन्हैया गुप्ता रविंद्र चौधरी संदीप दुबेदी व अंबिका प्रसाद गुप्ता ने बताया कि कई बर्षो से यहां पर गणेश महोत्सव धूमधाम के साथ मनाया जाता है यह हिंदुओं के आराध्य देवता है वह प्रकृति के रक्षक हैं जिनकी सेवा करने से जीवन उद्धार हो जाता है।

जगत बंधु सेवा ट्रस्ट द्वारा निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली। आज बुढ़ाना रोड शामली से जगत बंधु सेवा ट्रस्ट द्वारा निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर के अंतर्गत 23 मरीजों को सफेद मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए श्री महंत इंद्रेश हॉस्पिटल भेजा गया। सभी मरीजों का ऑपरेशन, आना, जाना , रहना, खाना, दवाईयां, आदि सभी कुछ संस्था द्वारा निःशुल्क कराया जाएगा। संस्था के अध्यक्ष अमन नामदेव ने बताया की संस्था अंधकार से प्रकाश की ओर मुहीम चला रही है, जिसके अंतर्गत 35000 से ज्यादा बुजुर्ग व्यक्तियो को नई रोशनी प्रदान की जा चुकी है, जरूरतमंद व्यक्तियों की सहायता करके असीम आनन्द का अनुभव होता है,सभी प्राणियों में ईश्वर निवास करते है, बुजुर्ग लोग नई रोशनी पाकर अत्यंत आनंद का अनुभव करते हैं। संस्था गांव में निःशुल्क नेत्र जॉच शिविर लगाकर, सफेद मोतियाबिंद के गरीब बेसहारा व्यक्तियो को चयनित करती है, ओर फिर उनको बस के द्वारा हॉस्पिटल भेजकर सभी के ऑपरेशन निःशुल्क कराए जाते है। संस्था के सचिव संदीप उपाध्याय ने बताया की संस्था द्वारा समाज कल्याण के लिए अन्य कई सेवाए संस्था के संस्थापक सुमित प्रजापति जी के द्वारा चलाई जा रही है जैसे निःशुल्क हेल्थ चेकअप कैंप, निःशुल्क दवाई वितरण, समाज में रक्त की कमी को पूरा करने हेतु रक्तदान शिविर का आयोजन, वृक्षारोपण कार्यक्रम आदि। मौके पर मौजूद रहे के कोषाध्यक्ष सूरज वर्मा, डॉक्टर राहुल गोयल, नमन नामदेव आदि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय हिंदी दिवस के मौके पर हुईं, विभिन्न प्रतियोगिताएं

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा। प्राथमिक विद्यालय ठिरिया बांके उदरा, विकास खण्ड दमखोदा में शनिवार को राष्ट्रीय हिंदी दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया । इस मौके पर विद्यालय की शिक्षिका प्राची सक्सेना ने राष्ट्रीय हिंदी दिवस के महत्व के सन्दर्भ में बच्चों को बताया।बाद में विभिन्न प्रतियोगिताएं जैसे पोस्टर बनाना , निबंध लेखन प्रतियोगिता, आयोजित कर बच्चों को हिंदी के प्रति जागरूकता बढ़ाने और नई पीढ़ी को अपनी मातृ भाषा के प्रति गर्व महसूस कराया । उन्होंने बताया हिंदी दिवस हमारे लिए एक महत्वपूर्ण दिन है क्योंकि यह हमारी मात्रा भाषा की गरिमा को बढ़ाता है हिंदी हमें अपनी जड़ों से जोड़ती है और हमें अपनी विरासत को समझने में मदद करती है। प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहे छात्र - छात्राओं को निजी कोष से पुरस्कृत भी दिया गया। इस मौके पर कार्यवाहक प्रधानाचार्य विक्रम, सुशील कुमार, सरस्वती देवी शिक्षामित्र आदि स्टाफ मौजूद रहा ।

घायल बाइक सवार की अस्पताल में उपचार के लिए ले जाते समय मौत

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली, कांधला। अवगत कराना है कि एक व्यक्ति करीब उम्र 27-28 साल संख्या यूपी 15 EB के कांधला क्षेत्र के हाईवे स्थित मात्र 300 मीटर आगे सड़क पर पड़ा मिला मोटर साइकिल 7849, पर शामली दिल्ली सहारनपुर खंद्रावली चौकी से घायल अवस्था में ? खंद्रावली चौकी पुलिस ने घायल अवस्था में तुरंत कांधला अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया, इलाज के दौरान अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई, जिसकी कोई भी पहचान नहीं हो रही है,किसी भी व्यक्ति को नाम पता के बारे में जानकारी हो तो तुरंत कांधला पुलिस को सूचना दें।

अरविंद कुमार चौहान बने शामली के नए जिलाधिकारी, सरकार की चली तबादला एक्सप्रेस

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली। शुक्रवार देर रात को सरकार ने मुजफ्फरनगर शामली सहित लखनऊ प्रयागराज आगरा आजमगढ़ और फतेहपुर के जिलाधिकारियों के तबादले कर दिए। प्रयागराज विकास प्राधिकरण के उपायुक्त अरविंद कुमार चौहान को जिलाधिकारी शामली बनाया गया। उमेश मिश्रा को मुजफ्फरनगर का जिलाधिकारी बनाया गया। बुलंदशहर के जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह अब लखनऊ के जिलाधिकारी होंगे। लखनऊ के जिलाधिकारी सूर्यकांत गंगवार को फ़िलहाल अलग रखा गया है। आगरा के जिलाधिकारी भानु चंद्र को राहत आयुक्त पद की जिम्मेदारी दी गई। बरेली की नगर आयुक्त निधि गुप्ता वत्स को अमरोहा की जिलाधिकारी बनाया गया। इसी तरह घनश्याम मीना हमीरपुर दिनेश जौनपुर रवीन्द्र कुमार मादंड प्रयागराज मुजफ्फरनगर के अरविंद मलप्पा बंगारि आगरा नवनीत चहल आज़मगढ़ रवीन्द्र सिंह को फतेहपुर का जिलाधिकारी बनाया गया। सूत्रों के अनुसार 13 आईएएस अधिकारियों के तबादले किए गए। इनके अलावा पीसीसी देवेन्द्र सिंह बदायूं के नगर आयुक्त मजिस्ट्रेट बनाए गए।

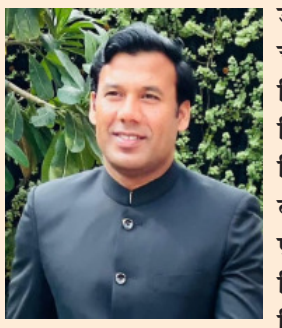

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् जिला इकाई देवेन्द्र नगर में नवीन कार्यकारिणी की हुई घोषणा

क्यूँ न लिखूँ सच -रमाशंकर तोमर

मध्य प्रदेश पन्ना देवेन्द्र नगर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जिला इकाई देवेन्द्र नगर में नवीन कार्यकारिणी की हुई घोषणा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जिला पन्ना इकाई देवेंद्र नगर की नवीन कार्यकारिणी घोषणा हुई जिसमें देवेंद्र नगर मंत्री अनूप त्रिपाठी के साथ-साथ 26और भी दायित्व को सोपा गया इस कार्यकारिणी के साथ सभी नवीन दायित्व धारी अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद या अपेक्षा करती है कि अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए नगर कॉलेज एवं अपनी छवि को सभी के सामने साफ सुथरी पेश करेंगे एवं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यों को सम्मान पूर्वक पूर्ण करेंगे साथ ही साथ अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की नवीन कार्य करने की सभी सदस्यों को बहुत-बहुत बधाई प्रेषित की गई

An easy way to prevent about 40 types of diseases has been found, most beneficial for weight loss

The growing chronic diseases at the global level are a cause of concern for health experts. People are becoming victims of obesity, diabetes, high blood pressure at a young age, which not only has a negative impact on the quality of life, but the average lifespan of people has also decreased. In many studies, researchers have been saying that disturbances in diet and routine can have a bad effect on health, so it is necessary to make efforts to improve it. Based on recent research published in Frontiers in Nutrition Jal, researchers said that by making some changes in food habits, you can stay safe from about 35-40 types of chronic diseases and its factors. For this, increasing the amount of plant-based things in the diet can be the most effective way. Plant-based diet has been seen to have better health results in the long term. This can be a beneficial way especially in reducing obesity and preventing many diseases related to it. You too must make these changes in your diet from today itself. Many diseases can be prevented- Studies show that the habit of consuming a plant-based diet can be especially beneficial in controlling weight and preventing metabolic disorders. Overweight and metabolic disorders have been found to be responsible for about 40 types of serious health problems. Researchers at Qilu Hospital of Shandong University, China, found in a review of studies that those who consume more plant-based diet have a relatively lower risk of rapidly increasing diseases like obesity, diabetes, heart disease, blood pressure. What did the study find out?- In the analysis of studies, more consumption of plant-based things has been recommended for weight loss and prevention of heart diseases. According to this, consumption of vegetarian and vegan diet has been found to be very beneficial in better managing cholesterol levels, heart and brain, digestion, strengthening the immune system. This does not mean that non-vegetarian food should not be consumed, but experts have suggested that reducing the consumption of meat-based things as much as possible can have a very good effect on health. Most beneficial way to lose weight - Experts found that plant-based diet is most beneficial for weight loss. 24 studies related to this were reviewed, which included analysis of data of 2,223 individuals aged 18 to 82 years. According to this, while participants who consumed more vegetarian diet, especially plant-based things, lost weight rapidly and kept it under control, the rate of weight loss was low in those who consumed eggs and non-vegetarian food. High consumption of raw vegetables has been found to be most beneficial in reducing the risk of obesity and heart disease. What do experts say? - In the conclusion of the study, researchers said that raw vegetables contain compounds like phytosterols and unsaturated fats that reduce cholesterol levels. At the same time, substances like carotenoids, saponins and flavonoids have anti-inflammatory and antioxidant properties. Dietitian Haley Bischoff says, it's good news that discussions about plant-based eating are becoming more popular and have shown great benefits. Keep 50% of meals and snacks plant-based. Increasing your fiber intake can help you reduce inflammation, eliminate waste from the body, improve blood lipid levels and prevent serious diseases.

Government is encouraging women to drive, gave this great gift

There should be some qualification to get a driving license. Like a prescribed age, ability to drive etc. At the same time, DL can be obtained by a person of any caste, religion, gender. Women are also included in this. Any kind of transport, be it a two-wheeler or a four-wheeler, requires a driving license to drive on the road. This rule is applicable in every country of the world. Driving license is a kind of official document, which gives any person the right to drive. In India, you can legally drive a car on the road only if you have a driving license.

Driving without a driving license comes under the category of legal offense. At the same time, the driver has to follow some rules to get a driving license. Driving license is issued by the Regional Transport Office (RTO or RTA). There should be some qualification to get a driving license. Like a prescribed age, ability to drive etc. At the same time, DL can be obtained by a person of any caste, religion, gender. Women are also included in this. All drivers have to apply and deposit some fees to get a driving license. But do you know that women have got some relaxation in this area. A state of India has made it easier for women to get a driving license. Let's know the rules and fees regarding driving license. What are the rules of driving license - In India, everyone has to follow some rules set by the Motor Vehicle Act to drive on the roads. According to the new transport rule, the age to get a license should be 18 years or more. At the same time, even if you do not know how to drive, you can get a learning license, which is valid for 6 months. To get a permanent DL, you must know how to drive. A test drive is done for this. Driving license fee - For DL, all people have to go to the transport department of their state and apply. There is a fixed fee for this, which you have to deposit. There may be different fees in different cities. RTO charges fees for permanent and temporary licenses. According to the information given on the official website of the Transport Department, the fee for a learning license is Rs 150. Whereas, a charge of Rs 200 is levied for issuing a DL. For more information, you can visit the official website of the Transport Department. Free DL for women in Madhya Pradesh- Although a fee is payable for DL, but there is a state in the country where women are being given driving license absolutely free. Women who will apply for DL ??in this state will not have to pay any fee and they can easily get DL without paying any fee. So far, lakhs of women have got a laugh- Madhya Pradesh is the only state to do so. Giving a big relief to women, the Madhya Pradesh government has not kept any fee for driving license. Any woman who is above 18 years of age can get a free driving license in Madhya Pradesh. After this decision, the desire to get DL has increased among women. In this regard, a data was released by Madhya Pradesh Transport Department, according to which till now more than seven and a half lakh women have obtained free driving license.

Do only homosexuals get monkeypox infection?

Know the myths and facts related to this disease

Monkeypox is a serious infectious disease whose risk is seen increasing globally. This infection, which started from African countries, has now reached India as well, where recently a person has been found to be infected. Health experts have alerted all people about the prevention of monkeypox. Monkeypox is very contagious and dangerous, so health experts are worried in view of the increasing risks. Since this infectious disease is new to many countries, most people are unaware of its facts. This is the reason why a lot of wrong information about monkeypox is also spreading rapidly these days. You must have heard a lot of discussion about monkeypox recently. Health experts say that to prevent infection, it is important that people have the right information about it. Let us know what is true and what is false in the things spreading about monkeypox - Myth: Monkeypox is a new disease, which has spread recently. There has been a lot of discussion about monkeypox in the last few years, but it is not a new disease. The monkeypox virus was first identified in monkeys in 1958 (hence the name monkeypox). Its first case in humans was reported in the 1970s. Although it was more common in African countries, it has now reached many Asian countries including the United States and the UK. Myth: Monkeypox can be contracted by going to crowded areas - Monkeypox is contagious but it does not spread like Covid-19. Like Covid, the monkeypox virus does not stay in the air. Therefore, going to a crowded restaurant or market is not enough to get caught by the virus. If you are in close contact with an infected person, use his things, or have come in contact with the body fluids of the infected person in any way, then the risk of getting infected definitely increases. Myth: Infection means death, because there is no cure for it. It is true that there is no effective treatment for monkeypox yet. Supportive care and treatment is given based on the symptoms to resolve them. However, getting infected does not mean death. Symptoms can be resolved with timely treatment. Vaccines and antiviral drugs, which were originally developed for smallpox, are being used to prevent or treat monkeypox. Some drugs and vaccines are also being continuously tested. Myth: Only gay and bisexual people can get monkeypox? It is true that cases of monkeypox have been seen more in gay and bisexual people, however, it is not true that only they get the infection. Anyone who does not have strong immunity against the virus can get monkeypox. The most important thing about monkeypox is that it can affect anyone.

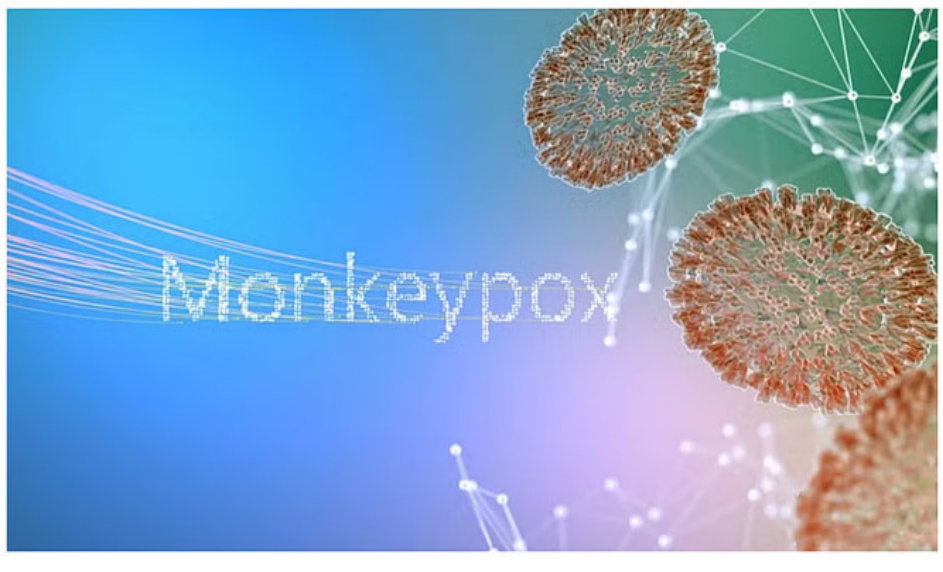

Tripti will create a stir with romance-horror-thriller films, will have a great role in Bhool Bhulaiyaa 3-Dhadak 2

Tripti Dimri has gained so much fame from the film Animal that she has a line of films. Tripti, who became famous as Bhabhi 2 in the film Animal, has many films releasing this year, which will be full of romance, thriller, suspense and horror. Tripti will be seen in different characters

in all these films. First of all, let's talk about Tripti Dimri's upcoming film Vicky Vidya Ka Woh Wala Video. The atrangi trailer of this film was released yesterday, in which Tripti Dimri's pairing with Rajkumar Rao won the hearts of the fans. At the same time, Mallika Sherawat's entry in the film also seemed very surprising to the people. This film is ready for release in theaters on October 11. Now let's talk about Tripti's upcoming horror-comedy film Bhool Bhulaiyaa 3. In this film, Tripti will be seen with actor Kartik Aryan, adding a tadka of horror to comedy. Apart from Kartik and Tripti, many actors like Vidya Balan and Madhuri Dixit will also be seen in this film. This film will be released at the end of this year. Tripti will be seen with actor Siddhant Chaturvedi in Dhadak 2. Its official announcement has been made. This film was announced by director Karan Johar on his social media account Instagram on 27 May this year. With the announcement of this film, Karan wrote, "This story is a little different because there was a king, there was a queen - caste was different ... the end of the story". Tripti Dimri, who became famous as Bhabhi 2 from the film Animal, will now be seen once again in the film Animal. According to media reports, Tripti will return as Bhabhi 2 once again in Animal 2. Although the film has not been officially announced yet, but it is certain that after seeing the ending of the film Animal, it is being speculated that Animal 2 will definitely come. According to media reports, Tripti may be seen in the Hindi remake of Pariyerum Perumal. No official announcement has been made about this film yet. But according to sources, there is full hope of Tripti being in this film as well.

'Inside Out 2' ready to rock OTT after theaters, know when and where the film will be released

Inside Out 2 created a stir after its release earlier this year. Both audiences and critics called it one of the best animated films. Ever since its release in theaters, fans were eagerly waiting

for the film to release on OTT. To their delight, the wait is finally over, as Inside Out 2 is now ready for its OTT release. Pixar announced this on its social media handles along with the poster of the film. Inside Out 2 is set to premiere on OTT on September 25. The film will release on Disney Plus and along with sharing an attractive poster on Instagram, Pixar wrote, 'Control your emotions, as Inside Out 2 is coming to Disney Plus Hotstar on September 25.' The film will release on OTT in Hindi and English language. Inside Out 2 is the highest grossing animated film of all time. It became the fastest animated film to reach a billion dollars worldwide and is currently the 8th-highest-grossing film in global box office history. The film had the second-biggest opening weekend of 2024, grossing $155 million domestically and $140 million internationally. The sequel to the 2015 film Inside Out, directed by Kelsey Mann, continues the story of teenage Riley and her evolving emotions. The film introduces new emotions such as anxiety, embarrassment, jealousy, and sadness. It also depicts her early emotions such as happiness, sadness, anger, fear, and disgust. The story is based on Riley's high school life, in which she makes new friends while attending an ice skating camp. The film's screenplay was written by LeFauve and Dave Holstein. Discussing the making of the sequel, Dave Holstein said, 'The first film gave everyone a visual language to talk about their emotions. I thought if I could do that for teenagers, that was probably the toughest time of my life and if I could make that time a little better then I would be happy.

At the age of eight, Aparshakti used to touch brother Ayushmann's feet every day, father had made this rule

Recently, in an interview, Aparshakti said that after a fight, his father made a rule that every morning Aparshakti will touch his elder brother's feet, otherwise he will not be allowed to stay in the house. Aparshakti Khurana is a well-known actor of Hindi films. Recently, he has appeared in the blockbuster film 'Stree 2'. This film is making a lot of noise at the box office. Aparshakti's comic timing and his jugalbandi with other actors in the film are very much liked by the audience. Apart from this, the actor's film 'Berlin' is also being streamed. Now recently, the actor told what kind of relationship he and Ayushmann share and how his father found a way to resolve their fights from a very young age. Aparshakti used to touch Ayushmann's feet every day- Recently, in an interview, Aparshakti said that once after a fight, his father made a rule that every morning Aparshakti will touch his elder brother's feet, otherwise he will not be allowed to stay in the house. This is how his father used to resolve fights- Aparshakti recalled, "The thing is that when you are young you don't know how to talk to your elder brother, you don't know how to respect him. So Papa used to tell me to call him 'bhaiya', but I didn't do that. After this, Aparshakti talked about the fight that happened when he was about 8-9 years old, due to which he also said some bad words to Ayushmann. "This is why Aparshakti used to call him Bhaiya- Aparshakti told that when we were playing, we had a fight and I said some wrong words to him. I got beaten up a lot that day. After that the conclusion was that from today you will call him 'bhaiya' and touch his feet every morning and this is the only way you can stay in this house, or cannot stay. The actor further said, "I think once you start doing this, there is less scope for fighting or conflict because then you cannot shout at them, and you cannot say anything bad."